RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 04 | जून 2025 | मासिक | पृष्ठ : 40 | मूल्य :₹ 50

Brilliant® Bharat
AN IIJS THEME

Supported by
Department of Commerce
Ministry of Commerce & Industry
Government of India

Organised by
GJEPC INDIA
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

WORLD'S 2ND LARGEST MOST COMPREHENSIVE
GEM & JEWELLERY B2B SHOW

IIJS PREMIERE — INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

Concurrent Show
IGJME — INDIA GEM & JEWELLERY MACHINERY EXPO
PREMIERE, Mumbai 2025

41st Edition | 2100+ Exhibitors | 3600+ Stalls | 135000+ sq. mtrs of Exhibition Area | 50000+ Expected Trade Visitors | Visitors from 1300+ Cities in India | 2700+ Visitors from 80+ Countries

Special Attraction
The Select Club
EXCLUSIVE HIGH-END COUTURE JEWELLERY SECTION

Jasmine Hall, 3rd Floor
Jio World Convention Centre
Mumbai

30th July - 3rd August, 2025
Jio World Convention Centre

31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre

Scan for Visitor Registration

IIJS. WHERE GLOBAL BUSINESS HAPPENS.

The Gem & Jewellery Export Promotion Council
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry
Toll Free Number : 1800-103-4353 | Missed Call Number : +91-7208048100
www.gjepc.org | gjepcindia | gjepcindia | gjepcindia | iijs.gjepc

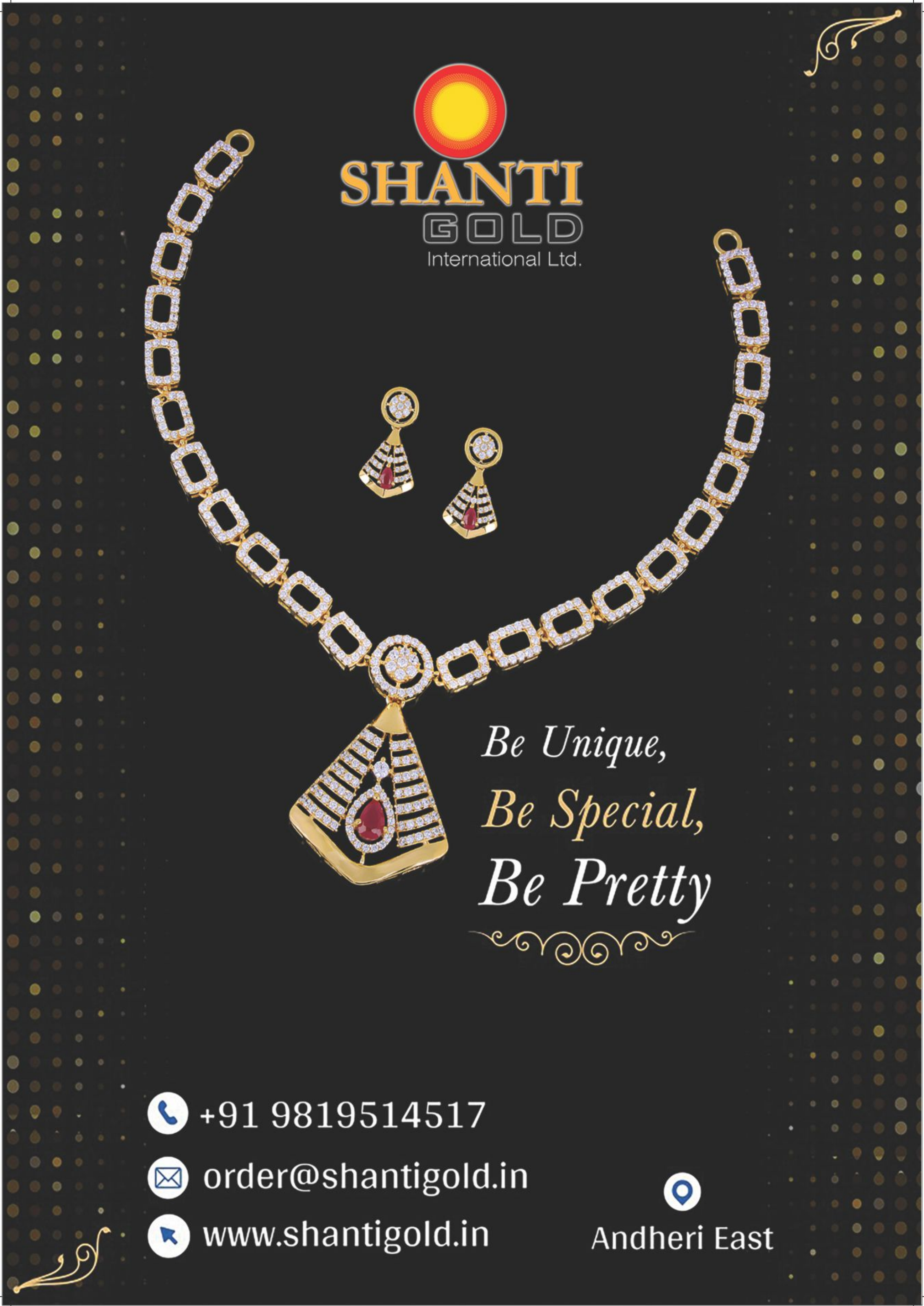

SHANTI
GOLD
International Ltd.
Be Unique,
Be Special,
Be Pretty
+91 9819514517
order@shantigold.in
www.shantigold.in
Andheri East

G+ TRAVELEASE Pro
with Retractable Cable

GM
SWITCH TO A BETTER WORLD

THE FUTURE OF CHARGING IN ONE COMPACT DEVICE

Travel light with a charger featuring
4 charging ports, 3 universal plugs
& **75mm retractable cable**
for easy world wide charging

PD 70W
High-power Fast Charging

Compatible with 150+ Countries

International 2-Pin Socket

LED Indicator

NOW AVAILABLE ON amazon

Stay powered anywhere with the G+ TravelEase Pro, the ultimate compact and portable charging solution. Featuring 4 built-in plug types, it works seamlessly in 150+ countries for hassle-free travel. The 75mm retractable cable keep things neat, while 70W GaN technology ensures fast charging. One adaptor for all your charging needs.

Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances

Our Exclusive Experience Centres

www.gmmodular.com info@gmmodular.com

Mumbai - Andheri +91 88799 18221 Lohar Chawl 022 2206 6545 **Ahmedabad** +91 91529 59541 **Bengaluru** +91 80409 71188 **Belgaum** +91 99453 33107 **Chennai** +91 91525 52453 **Hyderabad** +91 40247 34545 **Vijayawada** +91 86624 99945 **Jalore** +91 29732 22288 **Bhilwara** +91 8955048560 **Calicut** +91 49527 73500 **Noida** +91 99501 52527 **Kolkata** +91 33406 02048 **Ranchi** +91 94715 55599 **Tirunelveli** +91 94431 51008 **Patna** +91 70048 36171 **Coimbatore** +91 99523 07025 **Puducherry** +91 41345 00222 **Surat** +91 91520 88884 **International - Dubai** +97 142 51 80 08 +97 143 54 40 36 **Spain** +34 677 62 09 45 **Kenya** +254729234315

ज्वेलरी इंडस्ट्री का चुनौतीपूर्ण वक्त किंतु उम्मीद का उजाला भी बाकी है

भारतीय ज्वेलरी इंटस्ट्री इस समय एक जटिल दौर से गुजर रही है। एक ओर परंपरागत उत्सवों व विवाहों के मौसम के बावजूद ग्राहकी में गिरावट देखी जा रही है, तो दूसरी ओर गोल्ड - सिल्वर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने आम ग्राहक को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस स्थिति ने देश भर के ज्वेलर्स को एक असहज परिस्थिति में ला खड़ा किया है, जहां उन्हें व्यापारिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, तो इसके साथ ही ज्वेलरी के खरीददीरों को भी अपनी अपेक्षाओं के मुकाबले संतुलित खरीदी करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ज्वेलरी इंडस्ट्री में पिछले कुछ वक्त से आई ग्राहकी में कमी के पीछे कई कारण सामने आ रहे हैं। महंगाई की मार से जूझ रही आम जनता की खरीदी करते की शक्ति पर विपरीत असर पड़ा है। ऊपर से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और घरेलू बाजार में बढ़ती असुरक्षा की भावना ने भी उपभोक्ताओं को बड़े निवेशों से दूर किया है। पारंपरिक तौर पर ज्वेलरी खरीदने वाला मध्यम वर्गीय समाज अब अपनी प्राथमिकताओं पर नए सिरे से विचार कर रहा हैं।

ज्वेलरी मार्केट में ग्राहकी के संकट की जड़ में प्रमुख रूप से गोल्ड और सिल्वर की लगातार बढ़ती कीमतें हैं। जहां कुछ वर्ष पूर्व तक गोल्ड के भाव 30-40 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास रहते थे, वहीं अब यह आंकड़ा 1 लाख के पार जा पहुंचा है। सिल्वर की कीमतों में भी समान रूप से उछाल देखा गया है, जिससे सिल्वर की पारंपरिक मांग चाहे वह उपहार में दी जाने वाली सिल्वर की वस्तुएं हों या फिर घरेलू उपयोग की, डिमांड कम होती जा रही है। डायमंड की बात करें तो वहां विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। लैब ग्रान डायमंड की बढ़ती उपलब्धता और नेचुरल डायमंड के बीच अंतर करने की ग्राहकों की असमर्थता ने डायमंड के प्रति भरोसे को कमजोर किया है। इससे डायमंड ज्वेलरी की मांग में भी अस्थिरता देखी गई है। ग्राहक अब मूल्य से अधिक विश्वसनीयता और प्रमाणिकता को महत्व देने लगे हैं।

बाजार की इन परिस्थितियों को भांपते हुए ज्वेलर्स ने अपनी रणनीति में बदलाव किए हैं। भारी आभूषणों की अपेक्षा अब हल्के वजन (लाइट वेट) के डिजाइनों की ओर रुझान बढ़ा है। इससे एक ओर ग्राहकों को कम बजट में आकर्षक डिजाइनों का विकल्प मिलता है, वहीं ज्वेलर्स को स्टॉक और उत्पादन लागत का संतुलन साधने में सुविधा होती है। लाइट वेट ज्वेलरी आज के आधुनिक और व्यस्त जीवनशैली के अनुकूल भी है, जिसमें पहनना आसान है और फैशन का एक स्टाइलिश रूप भी प्रस्तुत करती है। सिल्वर ज्वेलरी की स्थिति थोड़ी अधिक जटिल है। सिल्वर की बढ़ती कीमतों ने जहां पारंपरिक सिल्वर की वस्तुओं की मांग को प्रभावित किया है, वहीं फैशन ज्वेलरी के क्षेत्र में इसके नए प्रयोगों ने आशा की एक नई किरण भी दिखाई है। युवा वर्ग में सिल्वर ऑक्सिडाइज़्ड ज्वेलरी और इंडो-वेस्टर्न डिज़ाइनों की मांग बढ़ रही है। यह एक संकेत है कि यदि ज्वेलर्स नवाचार करें और ट्रेंड के साथ चलें, तो सिल्वर का बाजार फिर से गति पकड़ सकता है। इन सबके बीच, यह कहना अनुचित नहीं होगा कि बाजार की स्थिति फिलहाल चुनौतीपूर्ण जरूर है, परन्तु निराशाजनक नहीं। इतिहास गवाह है कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग ने समय-समय पर कठिन दौरों का सामना करते हुए स्वयं को पुनः स्थापित किया है। इस उद्योग की नींव सिर्फ धातुओं या पत्थरों पर नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के विश्वास और ज्वेलर्स की निष्ठा पर टिकी है।

'आभूषण टाइम्स' अपने प्रारंभ से ही ज्वेलर्स के हितों की रक्षा करने और उन्हें सही समय पर सटीक जानकारी प्रदान करने का प्रयास करता रहा है। चाहे वह बदलते डिजाइन स्ट्रक्चर की जानकारी हो, मार्केट रुझानों का विश्लेषण हो या फिर बाजार में पारदर्शिता बनाए रखने की बात, आभूषण टाइम्स ने हमेशा अपने पाठकों के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आज जब बाजार में अनिश्चितता का माहौल है, आभूषण टाइम्स पुनः यह आश्वासन देता है कि हम इस कठिन समय में भी ज्वेलरी उद्योग के प्रत्येक हिस्सेदार के साथ खड़े हैं। हम बाजार की हर हलचल को बारीकी से समझते हुए, ज्वेलर्स और उपभोक्ताओं के बीच एक विश्वसनीय सेतु बने रहने का प्रयास जारी रखेंगे। आशा है कि आने वाले समय में आर्थिक स्थिरता लौटेगी, उपभोक्ता विश्वास में वृद्धि होगी और भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री एक बार फिर से अपनी पुरानी रफ्तार और रौनक हासिल करेगी। तब तक, यह समय है धैर्य का, आत्मविश्वास को बनाए रखने का और कुछ नया करने का। आभूषण टाइम्स हर कदम पर हमेशा आपके साथ है।

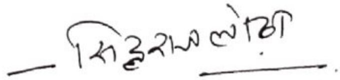

"बाजार की हर हलचल को बारीकी से समझते हुए, ज्वेलर्स और उपभोक्ताओं के बीच एक विश्वसनीय सेतु बने रहने का प्रयास जारी रखेंगे। आशा है कि आने वाले समय में आर्थिक स्थिरता लौटेगी, उपभोक्ता विश्वास में वृद्धि होगी और भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री एक बार फिर से अपनी पुरानी रफ्तार और रौनक हासिल करेगी। तब तक, यह समय है धैर्य का, आत्मविश्वास को बनाए रखने का और कुछ नया करने का।"

सिद्धराज लोढ़ा

Shringar ©

HOUSE OF MANGALSUTRA

YOU NAME IT, WE HAVE IT !

15+ COLLECTIONS

10,000+ DESIGNS

INDIA'S BIGGEST MANGALSUTRA INVENTORY

Let's bring the Finest Mangalsutra Collections to your store.

ZIYA COLLECTION	GLAM COLLECTION	TEMPLE COLLECTION	KOLHAPURI COLLECTION
NEON COLLECTION	KALKI COLLECTION	FORMAL COLLECTION	FANCY MALA COLLECTION
MICRO COLLECTION	FANCY COLLECTION	SENTOS COLLECTION	LONG CLASSIC COLLECTION
BRIDAL COLLECTION	FIO CZ COLLECTION	KOLKATTA COLLECTION	VERTICAL MALA COLLECTION
CLASSIC COLLECTION	DIVINE COLLECTION	PADMAVAT COLLECTION	MAHARASHTRA COLLECTION

FOLLOW US

@SHRINGARMANGALSUTRA

SHRINGAR HOUSE OF MANGALSUTRA LIMITED

B1, Jewel World, Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road,
Mumbai - 400 002. Tel - 022-43111222

FOR READY STOCK SELECTION PLEASE VISIT

www.shringarms.com

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी
तुकाराम ठीक

प्रतिनिधि
दिनेश त्रिवेदी
08765908424

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड़,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्षः 18 | अंकः 04 | जून 2025

04 ज्वेलरी इंडस्ट्री का चुनौतीपूर्ण वक्त किंतु उम्मीद का उजाला भी बाकी है

08 ज्वेलरी इंडस्ट्री का चुनौतीकाल
बढ़ता गोल्ड, चमकती चांदी और सिमटते ग्राहक

14 सिल्वर ज्वेलरी की चमक
भारत सहित वैश्विक स्तर पर विकसित होती सिल्वर की सेल

18 शांति गोल्ड इंटरनेशनल को सेबी से मिली आईपीओ की मंजूरी

20 पर्पल ज्वेल्स ने मुंबई में तीसरे संस्करण के दौरान नई संग्रह की शानदार शुरुआत की

23 दुबई से सस्ता सोना लाने की 'चोर गली' सरकार ने की बंद
प्लेटिनम की आड़ में हो रहा था काला धंधा

24 भारत में हीरे के आभूषणों की मांग को लेकर डी बियर्स का दावा
2030 तक खपत में होगी इतने प्रतिशत की वृद्धि

26 अब लाइट वेट ज्वेलरी का जमाना
गोल्ड हुआ महंगा

34 झवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन ने भारत के सबसे भव्य आभूषण महोत्सव का अनावरण किया

54 लक्ष्मी डायमंड्स ने मुंबई में शुरू किया अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग और R&D सेंटर

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दूसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

LAXMI
-DIAMONDS-
BENGALURU
A UNIT OF LAXMI IMPERIAL PVT LTD
A leading manufacturer of closed setting diamond jewellery
www.laxmidiamonds.com
For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

ज्वेलरी इंडस्ट्री का चुनौतीकाल

बढ़ता गोल्ड, चमकती चांदी और सिमटते ग्राहक

राकेश लोढ़ा

इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री का यह संकटकाल है। बाजार में बने रहने की चुनौतियां बहुत बड़ी है, उन चुनौतियों की राह पर चलते रहना उससे भी ज्यादा मुश्किल और ज्वेलर्स की परेशानी यह है कि ऐसे मुश्किल भरे दौर में, वह करे तो क्या करे, यह उसकी समझ से परे है। परेशानी का सबसे अहम कारण यह है कि ज्वेलर्स इन दिनों गोल्ड व सिल्वर के रेट बढ़ने से बेहद परेशान है, क्योंकि ऐसे माहौल में कस्टमर बाजार में बेहद कम आ रहे हैं। इसके साथ ही डायमंड के प्रति विश्वास कम हो जाने से ग्राहकी कम और खर्च ज्यादा के संकट से जूझ रहे हैं। दरअसल, यह संकट केवल ज्वेलर्स का ही नहीं है, वर्तमान समय में पूरी ज्वेलरी इंडस्ट्री एक गहरे संकट से जूझ रही है। परंपरागत खरीदारों की कमी, महंगाई का बढ़ता बोझ और गोल्ड व सिल्वर की आसमान छूती कीमतों ने ग्राहकी पर सीधा असर डाला है। ज्वेलरी प्रोडक्शन यूनिट्स में काम धीमा पड़ गया है, ज्वेलरी डिजाइनर्स एलं कारीगर खाली बैठे हैं, बड़े बड़े शो रूमस भी खाली खाली से हैं, और बुलियन डीलर्स भी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। ऐसे में, देश भर के छोटे ज्वेलर्स का परेशान होना तो बेहद स्वाभाविक ही हैं। देश भर के हर शहर, कस्बे व गांवों तक के ज्वेलरी मार्केट्स तथा ज्वेलर्स के यहां, कभी फेस्टिवल और वेडिंग के सीजन में बहुत बड़ी रौनक होती थी, आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है। ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए यह चुनौतीकाल है। गोल्ड की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने आम ग्राहक को निवेश से पीछे हटा दिया है। 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का रेट कम नहीं होता, सामान्य घर परिवार के लोग तो इस रेट में खरीदी का हौसला भी नहीं कर सकते। सिल्वर की कीमतों में भी तेजी ने उसे सस्ता विकल्प नहीं रहने दिया। वहीं डायमंड ज्वेलरी को लेकर ग्राहकों के बीच उसकी प्रामाणिकता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल, आल इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा), जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउमसिल (जीजेईपीसी), ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) सहित विभिन्न प्रमुख संस्थाओं के विशेषज्ञों की मानें तो यह संकट स्थायी नहीं है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक परिस्थितियां धीरे-धीरे स्थिर हो रही हैं। देश के भीतर भी फेस्टिवल सीजन और आगामी वेडिंग सीडजन में खरीदी में सुधार की उम्मीद की जा रही है। जैसे-जैसे बाजार में स्थिरता का भरोसा लौटेगा, ग्राहक भी फिर से जुड़ेंगे। इसलिए, यह समय है आत्मविश्वास बनाए रखने का। थोड़े धैर्य और समझदारी के साथ इस दौर से निकला जा सकता है। संकट के बादल जरूर हैं, पर आगे रोशनी का उम्मीद भी है, और वही रोशनी भविष्य की दिशा तय करेगी।

भारत की ज्वेलरी इंडस्ट्री जितनी पुरानी और बेहतर है, उतनी ही मजबूत, समृद्ध तथा ताकतवर भी है। अतः भरोसा रकिए कि कुछ ही दिनों, हफ्तों या महीनों में वक्त फिर से आएगा और ज्वेलरी इंडस्ट्री फिर से न केवल खिल उठेगी, बल्कि पहले से अधिक मजबूती और भव्यता के साथ खड़ी होगी।

इतिहास गवाह है कि भारत की ज्वेलरी इंडस्ट्री, सदियों से परंपरा, संस्कृति और निवेश का प्रतीक रही है। चाहे फेस्टिवल हों या विवाह, जन्म हो या कोई विशेष अवसर - ज्वेलरी भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा हैं। लेकिन वर्तमान दोर में यह समृद्ध उद्योग अभूतपूर्व चुनौतियों से गुजर रहा है। बदलते आर्थिक परिवेश, महंगाई, उपभोक्ता व्यवहार में परिवर्तन और वैश्विक अनिश्चितताओं ने ज्वेलरी बाजार की नींव को झकझोर कर रख दिया है।

हाल के वर्षों में ज्वेलरी सेक्टर में जिस प्रकार की गिरावट दर्ज की गई है, उसने कई छोटे व मध्यम स्तर के ज्वेलर्स को अस्तित्व की लड़ाई में झोंक दिया है। बड़े शहरों से लेकर कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक, ज्वेलरी शोरूमों में ग्राहकों की कमी साफ तौर पर देखी जा सकती है। जहां पहले फेस्टिवल और वेडिंग सीजन में शो-रूम्स ग्राहकों से भरे रहते थे, आज वहीं सेल्स स्टाफ उदास दिखाई दे रहा हैं। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक अनिश्चितता ने उपभोक्ता की खरीदी के पॉवर को कम कर

दिया है। ज्वेलरी लग्जरी आइटम मानी जाती है, जो कि जिंदगी की जरूरतों में मूल प्राथमिकता नहीं है। सो, ग्राहकी कम है, ऐसे में ज्वेलर्स को व्यापार चलाना, स्टाफ का खर्च उठाना और स्टॉक लगातार भरते रहना एक गंभीर चुनौती बन गया है।

गोल्ड के लगातार बढ़ते रेट सबसे बड़ी वजह के रूप में देखे जा रहे हैं। ग्राहकी कम होने का सबसे बड़ा कारण भी यही है। ज्वेलरी बाजार में मंदी का सबसे बड़ा कारण है दुनिया भर में समान है। कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी ऐसी कभी नहीं देखी गई। पिछले कुछ वर्षों में इंटरनेशनल मार्केट में आर्थिक अस्थिरता, डॉलर की मजबूती, देशों के बीच के राजनीतिक तनाव, युद्ध के हालात, और निवेशकों का गोल्ड की ओर झुकाव इन सभी ने गोल्ड की कीमतों को आसमान पर पहुँचा दिया है। भारत में गोल्ड की कीमतें 1 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार जाकर फिर से थोड़ी सी नीचे आ चुकी है, जो एक आम उपभोक्ता के लिए खरीदी में सबसे बड़ी है। पारंपरिक रूप से गोल्ड निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक रहा है, लेकिन अब लोग इसकी जगह म्यूचुअल फंड, डिजिटल गोल्ड, रियल एस्टेट जैसे निवेश विकल्पों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इससे गोल्ड की वास्तविक खरीद में भारी गिरावट आई है।

सिल्वर भी गोल्ड की तरह भाग रहा है क्योंकि हर सेक्टर में बढ़ती खपत देखी जा रही है। जहां पहले सिल्वर को आम आदमी का गोल्ड माना जाता था, वहीं अब इसकी कीमतें भी बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं, तो यह आम आदमी की पहुंच से भी बाहर हो गया। औद्योगिक उपयोग में भारी वृद्धि, इलेक्ट्रिक वाहन, सोलर पैनल, मेडिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में सिल्वर की खपत बढ़ने से इसकी कीमतों में भी उछाल आया है। पिछले एक वर्ष में ही सिल्वर की दरों में लगभग 20-30 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर पारंपरिक सिल्वर ज्वेलरी मार्केट पर पड़ा है, सिल्वर के गिफ्ट्स भी बिकने कम हो रहे हैं। ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों में सिल्वर ज्वेलरी की मांग घट गई है। पहले जो ग्राहक गोल्ड नहीं खरीद पाते थे, वे सिल्वर की ओर रुख करते थे, लेकिन अब वहां भी कीमतों ने उन्हें पीछे हटा दिया है। ज्वेलर्स के लिए यह एक दोहरा संकट बन गया है, न गोल्ड बिक रहा है और न सिल्वर की सेल।

ज्वेलरी मार्केट में पहले से ही बड़े संकट से जूझ रहे डायमंड की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाने से वर्तमान स्थिति और भविष्य दोनों पर चिंता बढ़ रही है। डायमंड ज्वेलरी सेक्टर समाज के जिस एक विशेष वर्ग को आकर्षित करता है, वह है उच्च आय वर्ग, जो ब्रांडेड और प्रीमियम प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता देता है। परंतु हाल के वर्षों में लैब ग्रान डायमंड की बढ़ती खेप ने इस क्षेत्र में भ्रम और अविश्वास की स्थिति पैदा कर दी है। ग्राहक अब यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि उन्हें जो डायमंड बेचा जा रहा है वह नेचुरल है या सिंथेटिक। साथ ही, दोनों के बीच मूल्य का अंतर समझ पाना भी एक बड़ी चुनौती है। तो, कई ग्राहक डायमंड खरीदने से बच रहे हैं या बहुत सोच-समझकर खरीदी कर रहे हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स की घुसपैठ ने स्थानीय डायमंड डीलर्स और कारीगरों को भी मुश्किल में डाल दिया है।

इस सारे परिदृश्य के बावजूद बाजार में ग्राहकी के सुधरने की उम्मीद है, यह माना जा रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउमसिल की कुछ रिपोर्ट्स कहती है कि इंटरनेशनल लेवल पर वर्तमान में ज्वेलरी बाजार में ग्राहकी की स्थिति भले ही कमजोर है, लेकिन इसके सुधरने की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। भारत में पारंपरिक रूप से त्योहारों, खासकर धनतेरस, दीवाली, अक्षय तृतीया, और शादी-ब्याह के मौसम में आभूषणों की मांग अचानक बढ़ जाती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का मानना है कि यदि आर्थिक स्थितियां थोड़ी भी स्थिर होती हैं और उपभोक्ताओं को थोड़ा भरोसा मिलता है, तो बाजार में फिर से हलचल देखी जा सकती है। जीजेईपीसी के चेयरमेन किरीट भंसाली का कहना है कि मौजूदा हालात से उबरने के लिए सिर्फ कीमतों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। ज्वेलरी इंडस्ट्री को नई सोच, तकनीक और प्रस्तुति - तीनों स्तरों पर अभिनव कार्य करने की जरूरत है, जिसके बारे में जीजेईपीसी बहुत कुछ सोच रही है। इस सोच का परिणाम आगामी आईआईजेएस में स्पष्ट तोर पर दिख सकता है।

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिषशन भी वर्तमान हालात पर चिंतन कर रहा है, तो बाजार अपनी तरह से ढलने लगा है। गोल्ड के बढ़ते रेट को देखते हुए हल्के वजन वाले गहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जो लाइट वेट ज्वेलरी के नाम से चर्चित है। कस्टमर्स अब यूनिक ज्वेलरी की चाह में ही लाइट वेट ज्वेलरी खरीदते देखे जा रहे हैं, इनमें स्टाइलिश डिज़ाइन, मॉडर्न लुक और बजट फ्रेंडली होने का लाभ है, जिसे काफी पसंद भी किया जा रहा है। लाइट वेट ज्वेलरी के लिए ऑनलाइन शॉपिंग अब बढ़ रहा है। ज्वेलरी इंडस्ट्री को भी इस दिशा में तेज़ी लानी होगी। हर शहर - कस्बे में छोटे बड़े सभी ज्वेलरस् इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप बिज़नेस, फेसबुक, और वेबसाइट के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे है। ऐसे में कहा जाए, तो ज्वेलरी इंडस्ट्री के सामने आज जो संकट है, वह केवल एक आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि एक बदलाव की चेतावनी है।

फतेहचंद रांका

रांका ज्वेलर्स, पुणे

ज्वेलरी इंडस्ट्री में बढ़ते रेट से खपत में घटत हो रही है, तथा ग्राहकी कम होने के कारण सबको पता होने के बावजूद सभी परेशान है। बड़े ज्वेलर्स की अपनी मुश्किलें हैं, तथा छोटे ज्वेलर्स के रेगुलर खर्च निकालने की भी परेशानियां हैं। लेकिन यह दौर भी गुजर जाएगा, क्योंकि समय कभी एक जैसा नहीं रहता।

इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए यह चुनौती के दिन है। गोल्ड के बढ़ते रेट के साथ साथ सिल्वर भी गोल्ड की तरह भाग रहा है, और डायमंड की विश्वसनीयता बेहद खतरे में है। यही कारण है कि ज्वेलरी मार्केट में ग्राहकी का संकट है और ज्वेलर्स बेहद परेशान है।

स्नेहल शाह

शोभा श्रृंगार ज्वेलर्स

पूरी दुनिया की ज्वेलरी इंडस्ट्री एक जैसे हालात से गुजर रही है। लेकिन भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री को गोल्ड व सिल्वर के रेट लगातार बढ़ने का संकट कुछ ज्यादा परेशान कर रहा हैं, क्योंकि हमारे देश में छोटे छोटे ज्वेलर्स बहुत ज्यादा है। चिंता वाजिब है कि आखिर कब तक ग्राहकों का इंतजार बना रहेगा।

करण जैन

पुणे

ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए ग्राहक को केंद्र में रखकर ज्वलेरी निर्माण का वर्तमान समय है। अब डिज़ाइन से लेकर सेल तक, हर पहलू में नई सोच अपनानी होगी। लाइट वेट ज्वेलरी, ऑललाइन सेल, गोल्ड - सिल्वर फ्यूजन ज्वेलरी जैसे प्रयोग इस संकटकालीन दौर आसानी से पार पाने की राह बना सकते हैं।

अमरीश पिपाड़ा

मुंबई

इस कठिन दौर में ज्वेलर्स के लिए सबसे बड़ा सहारा है धैर्य। यह एक ऐसा समय है, जब व्यापारिक सम तथा ग्राहकों के विश्वास को बनाए रखने की कला को परखने का अवसर है। क्योंकि हर इंडस्ग्री में एक दौर ऐसा आता है, जब उसके लोगों को खुद को जांचने का वक्त मिलता है।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

Raju Kothari | Akrant Kothari - 98192 07704 | Ketan Kothari - 79001 23190

R. Kothari & Co. Jewellers

81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003

022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783

e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

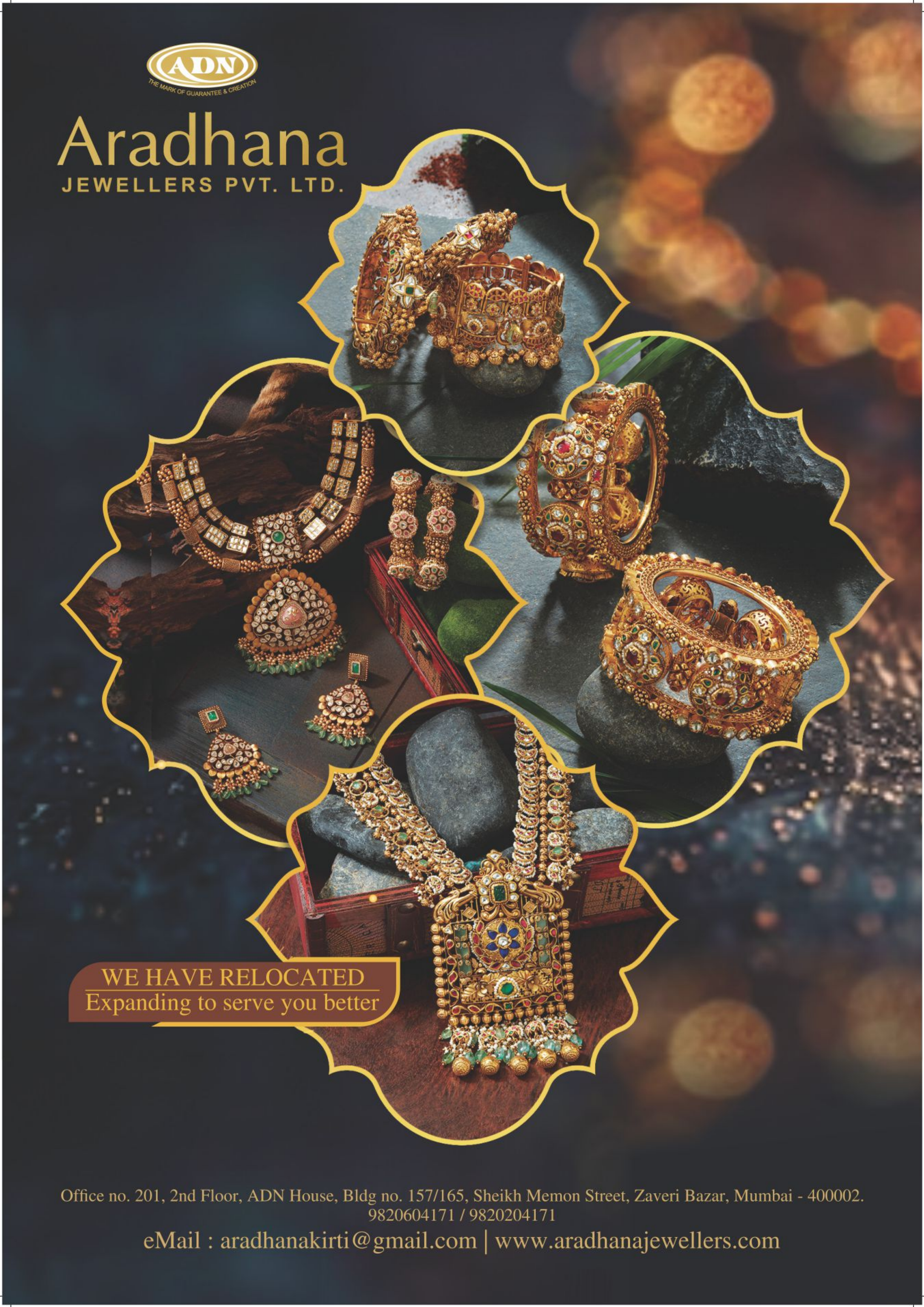
ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION
Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.
WE HAVE RELOCATED
Expanding to serve you better
Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
9820604171 / 9820204171
eMail : aradhanakirti@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

THE HOUSE of SILVER EMPORIUM
SILVER • GOLD • DIAMONDS
SILVER
EMPORIUM
GIRVÁAN
A STORY of GOLD
DIARAH
DIAMOND JEWELS
SILVER EMPORIUM • 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor
Kalbadevi Road, Mumbai 400002 • info@silveremporium.in

सिल्वर ज्वेलरी की चमक

भारत सहित वैश्विक स्तर पर विकसित होती सिल्वर की सेल

सिल्वर ज्वेलरी उद्योग का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। भारत में सिल्वर ज्वेलरी का कारोबार बढ़ने के आसार हैं तथा इसी कारण देश के ज्यादातर बड़े ज्वेलर्स सहित हर स्तर के ज्वेलर्स अपने स्टॉक में सिल्वर ज्वेलरी बढ़ाने की तरफ बढ़ रहे हैं। भारत और वैश्विक स्तर पर गोल्ड की कीमतों में निरंतर वृद्धि के साथ, सिल्वर और सिल्वर-गोल्ड फ्यूजन ज्वेलरी ने उपभोक्ताओं के बीच अपनी जगह बनाई है। सिल्वर की किफायती कीमत, इसकी चमक, और डिजाइनों के आकर्षण ने इसे फैशन और परंपरा दोनों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बना दिया है। सिल्वर बिजनेस और सिल्वर ज्वेलरी उद्योग के वर्तमान परिदृश्य में हालांकि चुनौतियों का अंबार भी है, लेकिन सभी को भविष्य में उज्जवल संभावनाओं के आसार दिख रहे हैं। भारत में सिल्वर ज्वेलरी की मांग विशेष रूप से मजबूत है, क्योंकि यह सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का हिस्सा है। भारत में सिल्वर की कीमतें हाल ही में 1 लाख रुपए के पार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंची, फिर भी गोल्ड की तुलना में कहीं अधिक किफायती है। इस किफायती कीमत ने सिल्वर को मध्यम और निम्न-आय वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बना दिया है। इसी वजह से भारत में सिल्वर की मांग सदा से अच्छी रही है।

सिल्वर ज्वेलरी उद्योग भारत और वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। गोल्ड की बढ़ती कीमतों ने सिल्वर को एक किफायती और स्टाइलिश विकल्प बनाया है। सिल्वर ज्वेलरी उद्योग का वर्तमान परिदृश्य प्रगति की तरफ जा रहा है तथा इसका तेज विकास हो रहा है। हालांकि हर विजनेस की तरह इसमें भी कुछ चुनौतियों के बावजूद भविष्य की संभावनाएं उज्जवल हैं।

भारत में सिल्वर ज्वेलरी की मांग का पारंपरिक व सांस्कृतिक महत्व भी है। सिल्वर को भारतीय संस्कृति में शुभ माना जाता है। अब तक यह अपनी ज्वेलरी फॉर्मेट में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत लोकप्रिय रहा है, जहां इसे विवाह, धार्मिक समारोहों, और अन्य अवसरों पर पहना जाता है। लेकिन अब युवा पीढ़ी तथा धनी लोगों में में भी इसे ज्वेलरी के रूप में बड़े पैमाने पर आपनाया जाना लगा है। हालांकि दुनिया के काफी प्रगतिशील देशों में तो सिल्वर ज्वेलरी के रूप में पहले ही व्यापाक पैमाने पर चलन में है। सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन अनुमानों के अनुसार, भारत में सिल्वर ज्वेलरी का सालाना कारोबार लगभग 20 से 25 हजार करोड़ रुपये का है। यह आंकड़ा ज्वेलरी उद्योग के कुल बाजार का एक हिस्सा है, जिसका भारत की जीडीपी में 6-7 फीसदी का योगदान है। भारत में सिल्वर की मांग मुख्य रूप से ज्वेलरी, इन्वेस्टमेंट, और इंडस्ट्रील उपयोग में है, जिसमें ज्वेलरी की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी है। इंटरनेशनल ज्वेलरी रिपोर्ट्स देखें, तो हाल के वर्षों में, सिल्वर ज्वेलरी की सेल में 8 से 10 फीसदी की सालाना वृद्धि हो रही है। इंडिया बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के सूत्रों के अनुसार, भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी पैदावार और बढ़ती आय के कारण सिल्वर की डिमांड बढ़ रही है। इसके अलावा, सिल्वर के रेट्स में गोल्ड की तुलना में अस्थिरता भले ही हो, लेकिन इसकी अपेक्षाकृत लागत इसे मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग के लिए आकर्षक बनाती है। भारत में सिल्वर ज्वेलरी बाजार विशेष रूप से जीवंत है। यहां कुछ प्रमुख रुझान वैडिंग और फैस्टिवल सीजन की मांग पर ज्यादा देखने को मिलते हैं। जून 2025 में शादियों के लिए सिल्वर ज्वेलरी की खरीदारी में वृद्धि देखी जा रही है।

वैश्विक स्तर पर, सिल्वर ज्वेलरी का लगभग 22 से 25 अरब डॉलर अर्थात, लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार है, जिसमें भारत, चीन, और अमेरिका जैसे देश प्रमुख बाजार हैं। सिल्वर की डिमांड वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी में लगभग 40 से 45 फीसदी मानी जाती हैं। मेक्सिको, पेरू, और बोलीविया जैसे देश सिलव्वर के प्रमुख उत्पादक हैं। भविष्य में, सिल्वर ज्वेलरी की मांग में वृद्धि की संभावना है। नई तकनीक और डिजाइन्स ने इसकी लोकप्रियता को ज्यादा बढ़ाया है। हालांकि, खदानों से ज्वेलरी निकालने की प्रक्रिया की लागत में वृद्धि और सप्लाई की कमी से इसके रेट्स में अस्थिरता आ सकती है। फिर भी, गोल्ड के मुकाबले सिल्वर का किफायती होना और फैशन ट्रेंड्स के साथ साथ मीडिल क्साल में बढ़ती डिमांड सिल्वर को एक आकर्षक विकल्प बनाए रखेगी।

सिल्वर की कीमतें गोल्ड की तुलना में काफी कम हैं, जिससे यह उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ है। सिल्वर का लचीलापन विभिन्न डिजाइनों, जैसे न्यूनतम, बोहेमियन, और पारंपरिक शैलियों, के लिए उपयुक्त

बनाती है। 2024 में, सिल्वर ज्वेलरी में हल्के डिजाइन, राशि थीम, और रत्न-जड़ित ज्वेलरी की मांग बढ़ी है। यूके और अमेरिका में विंटेज और बोहेमियन शैली की सिल्वर ज्वेलरी काफी लोकप्रिय हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया में कस्टम-निर्मित सिल्वर ज्वेलरी की मांग बढ़ रही है। ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग ने भी इसे नये आयाम प्रदान किए हैं। आजकल सिल्वर ज्वेलरी की बिक्री में ऑनलाइन चैनलों की हिस्सेदारी बढ़ी है। उपभोक्ता अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स परबीबड़े पैमाने पर सिल्वर ज्वेलरी की खरीदारी कर रहे हैं। सिल्वर की रिसाइक्लिंग 2025 में 200 मिलियन औंस को पार करने की उम्मीद है, जो 2012 के बाद सबसे अधिक है। एक खास बात ये भी है कि सिल्वर के रोगाणुरोधी गुणों के साथ बाजार में पेश किया जा रहा है, बड़े पैमाने पर इसकी मार्केटिंग शीतलता के गुण तत्व के साथ की जा रही है। जिससे इसकी मांग बढ़ रही है।

हालांकि सिल्वर ज्वेलरी उद्योग में वृद्धि की संभावनाएं हैं, लेकिन कई चुनौतियां भी हैं। इन चुनौतियों पर कीमतों में स्थिरता आने पर ही पार पाया जा सकता है। वैसे, सिल्वर की कीमतों में 2023-2024 में 15त्न की वृद्धि हुई, जो औसतन 25 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। यह औद्योगिक मांग, निवेश रुझान, और राजनीतिक तनावों के कारण है। कीमतों में उतार-चढ़ाव ने सिल्वर में लाभ मार्जिन को प्रभावित किया है, जिससे व्यवसायों के लिए योजना बनाना कठिन हो गया है। फिर डिमांड के मुकाबले सप्लाई में कमी भी एक बड़ा कारण रहा है। वर्तमान में सिल्वर की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला काफी विफरीत असर देखा गया है। जिसके कारण सिल्वर ज्वेलरी के उत्पादन और वितरण में देरी हुई। भारत में, हाल के एक सर्वेक्षण में पता चला कि 66 फीसदी सिल्वर ज्वेलरी में 70 तक मिलावट पाई जाती रही है। यह सर्वे, उपभोक्ता विश्वास को प्रभावित करने में सफल रहा है, अतः ज्वेलर्स को सिल्वर ज्वेलरी की विश्वसनीयता के बारे में भी गहन चिंता करना होगी। इसके साथ ही आर्टिफिशियल ज्वेलरी के साथ ही स्टेनलेस स्टील और टाइटेनियम की ज्वेलरी में बढ़ती स्वीकार्यता भी सिल्वर ज्वेलरी उद्योग के लिए चुनौती बन रही है। सिल्वर ज्वेलरी उद्योग में आने वाली इस चुनौती को रणनीतिक प्रतिक्रिया के तहत जवाब दिया जा सकता है, जैसे मार्केटिंग, नए नए डिजाइंस आदि। ज्वेलर्स सिल्वर की भावनात्मक और सांस्कृतिक अपील को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे इसकी बढ़ती उच्च कीमतों को उचित ठहराया जा सके। फिर लोकल और पर्सनल मार्केटिंग की पहल के तहत कस्टमाइज्ट ज्वेलरी उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रही हैं। उत्पाद विविधीकरण के तहत सिल्वर में भी ज्वेलर्स हल्के डिजाइनों, रत्न-जड़ित ज्वेलरी, और ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी जैसे नए उत्पाद पेश कर रहे हैं। रोजमर्रा के पहनने के लिए हल्के और मिक्स-एंड-मैच गहनों की मांग बढ़ रही है। सिल्वर ज्वेलरी की सेल बढ़ाने के लिए ज्वेलर्स प्रचार कर रहे हैं रेट में छूट दे रहे हैं और माल उधार देने को बी तायारी दिखा रहे हैं। मतलब कि कस्टमर्स को हर प्रकार के विकल्प प्रदान कर रहे हैं ताकि खरीददीर के लिए सिल्वर ज्वेलरी अधिक सुलभ हो। ज्वेलरी मार्केट के ज्यादातर एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिल्वर ज्वेलरी उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन आने वाले वक्त में कुछ चुनौतियों का सामना भी करना होगा। दुनिया में सिल्वर ज्वेलरी के उभरते बाजार आम तौर पर एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका, और अफ्रीकी देश हैं, जहां, बढ़ती डिस्पोजेबल इन्कम सिल्वर ज्वेलरी की मांग को बढ़ाएगी।

डिजाइन और उत्पादन में तकनीकी प्रगति, जैसे थ्री-डी प्रिंटिंग और एआइ आधारित डिजाइन, सिल्वर ज्वेलरी उद्योग को और अधिक ऊंचाऊ प्रदान करने को तत्पर है। एक खास बात यह भी है कि भारत के लिए मिडिल ईस्ट और दक्षिण अमेरिका जैसे बाजारों में सिल्वर ज्वेलरी के निर्यात को बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। माना जा रहा है कि आने वाला वक्त सिल्वर ज्वेलरी का है तथा अनुकूल मार्केट ट्रेंड्स इस उद्योग की छवि को मजबूत करेगा। वैसे, सिल्वर बिजनेस और सिल्वर ज्वेलरी उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है, जो किफायती कीमतों, फैशन रुझानों, और तकनीकी नवाचारों से प्रेरित है। हालांकि सिल्वर की कीमतों में अस्थिरता और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियां बनी हुई हैं, सिल्वर ज्वेलरी उद्योग ने खास किस्म की मार्केटिंग, उत्पाद का नवीनीकरण, और डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से इनका सामना किया है। भारत में, सिल्वर ज्वेलरी की सांस्कृतिक और आर्थिक प्रासंगिकता इसे एक महत्वपूर्ण बाजार बनाती है, जबकि वैश्विक स्तर पर सिल्वर ज्वेलरी के उभरते बाजार और स्थिरता पर ध्यान इस उद्योग के विकास को बढ़ावा देगा। जैसे-जैसे उपभोक्ता प्राथमिकताएं बदल रही हैं, सिल्वर ज्वेलरी उद्योग न केवल अपनी चमक बरकरार रखेगा, बल्कि वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा। इसीलिए भारतीय ज्वेलर्स भी गोल्ड ज्वेलरी की कम होती खपत के बीच सिल्वर ज्वेलरी की तरफ बढ़ रहे हैं तथा उसी तरह से खरीददार भी उसी तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अगर यही ट्रेंड जारी रहा, तो आने वाल वक्त में देश में गोल्ड ज्वेलरी के विकल्प के रूप में सिल्वर ज्वेलरी बड़ी तेजी से उसकी जगह ले सकती है।

नितेश जैन

पर्पल ज्वेल्स प्रा. लि.

भारत ही नहीं, दुनिया भर में सिल्वर ज्वेलरी बीते किछ सालों में गोल्ड ज्वेलरी के एक मजबूत किफायती विकल्प के रूप में उभरी है। नई पीढ़ी, विशेष रूप से 20 से 40 वर्ष के आयु वर्ग में सिल्वर आधुनिक डिजाइनों को बेहद पसंद किया जा रहा हैं। इसी कारण ज्वेलर्स के बीच सिल्वर ज्वेलरी का भविष्य उज्जवल माना जा रहा है।

सिल्वर की चमक बढ़ना तय है क्योंकि भारतीय सिल्वर ज्वेलरी का कारोबार भारत में तो बढ़ ही रहा है, वैश्विक स्तर पर भी मिडिल ईस्ट, पूर्वी यूरोप, और दक्षिण अमेरिका जैसे उभरते बाजारों को बहुत तेजी से अपनी ओर लक्षित कर रहा है। भारतीय डिजाइनों, विशेष रूप से र -जड़ित सिल्वर ज्वेलरी, को दुनिया के विभिन्न देशों में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

पन्नालाल गुलेच्छा

जीअमी सिल्बर एलएलपी

भारत में सिल्वर ज्वेलरी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। यही नहीं, दुनिया भर के विभिन्न देशों में भी सिल्वर ज्वेलरी का कारोबार समान गति से बढ़ रहा है और इसका भविष्य उज्जवल दिखाई दे रहा है, क्योंकि गोल्ड के लगातार महंगा होने तथा मध्यम वर्ग में इसे पसंद किए जाने से सिल्वर ज्वेलरी कारोबार में बढ़ोतरी निश्चित है।

कमलेश जैन

एसएनटी सिल्वर ज्वेलरी

गोल्ड ज्वेलरी के कारोबारी भी तेजी से सिल्वर ज्वेलरी की तरफ बढ़ रहे हैं, क्योंकि गोल्ड के रेर्ट्स बढ़ जाने से गोल्ड ज्वेलरी की सेल धीमी हो गई है। सिल्वर ज्वेलरी के किफायती रेट्स, और ग्रामीण लाकों सहित नई पीढ़ी की पसंद ने भारत सहित वैश्विक स्तर पर इसके उभरते बाजार को तेज किया है, तथा भविष्य में इसमें और मजबूती दिखेगी।

सुरेन्द्र जैन

एलएम लाइफस्टाइल

भारत में सिल्वर ज्वेलरी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर भी, सिल्वर ज्वेलरी की मांग में बढ़ती हुई है। गोल्ड की ऊंची कीमतों ने उसे निवेश का मेटल बनाया है, तो खरीददारों के बदलते रुझानों के कारण ज्वेलर्स भी सिल्वर ज्वेलरी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। भविष्य में, इस उद्योग के और तेजी से विकसित होने के आसार हैं।

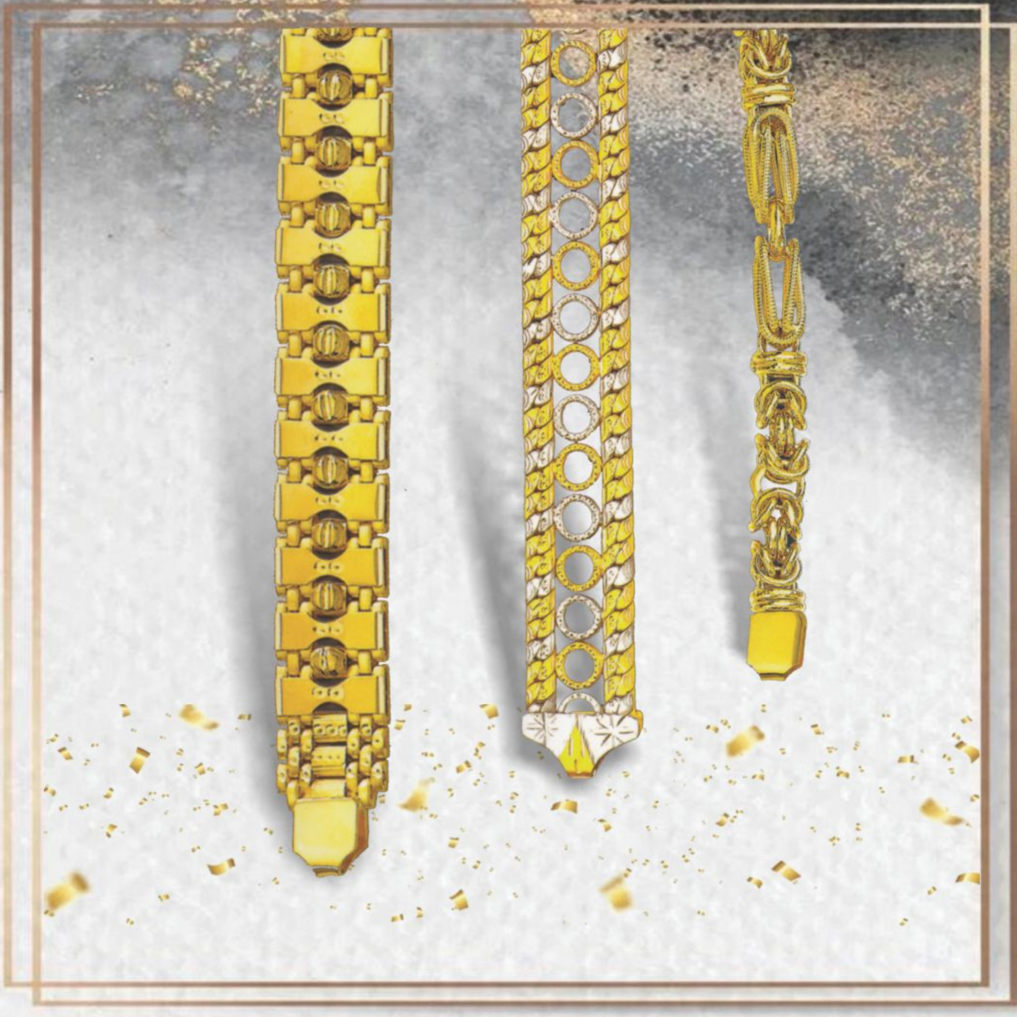

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687

श्री

Shree vardhaman JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :

ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

ml RJS
ml kanhaiyalal™
JEWELS
Manufacturer of
Plain Gold Jewellery
RA®
ramasha
Gems and Jewels LLP
Manufacturer of
Diamond Jewellery
MANISH SONI
+91 98207 76844
Ramjivanlal Soni
AMIT SONI
+91 98207 70094
A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.
84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/
WE HAVE NO OTHER BRANCHES

शांति गोल्ड इंटरनेशनल को सेबी से मिली आईपीओ की मंजूरी

मुंबई। शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड, जो 22कैरेट सीजेड कास्टिंग गोल्ड ज्वेलरी की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है, को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मंजूरी मिल गई है।

आईपीओ का विवरण और धन उपयोग की योजना : शांति गोल्ड इंटरनेशनल ने जनवरी 2025 में सेबी के पास अपने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किए थे। सेबी ने 30 मई 2025 को कंपनी के ड्राफ्ट दस्तावेजों को मंजूरी दी। शांति गोल्ड इंटरनेशनल मुख्य रूप से कॉर्पोरेट क्लाइंट्स और एक्सपोर्ट के लिए 22 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी का निर्माण करती है। कंपनी का मुख्यालय मुंबई में है और यह अपने उत्पादों की गुणवत्ता और डिजाइनों के लिए जानी जाती है।

वित्तीय प्रदर्शन : कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दिखाया था, जिसके आधार पर निवेशकों में इसके प्रति रुचि देखी जा रही है। हाल के वर्षों में सोने की कीमतों में उछाल के कारण ज्वेलरी क्षेत्र में निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है। उदाहरण के लिए, खजांची ज्वेलर्स, जो एक अन्य ज्वेलरी कंपनी ने अपने आईपीओ के बाद दो साल में निवेशकों को 300 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है, जिससे इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं।

बाजार का माहौल और संभावनाएं : हाल के महीनों में भारतीय शेयर बाजार में आईपीओ के प्रति निवेशकों का उत्साह बढ़ा है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में अब तक 16 कंपनियों ने अपने आईपीओ के जरिए 27,687.32 करोड़ रुपये जुटाए हैं। सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि और ज्वेलरी क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए शांति गोल्ड इंटरनेशनल का आईपीओ निवेशकों के लिए आकर्षक हो सकता है।

सेबी की मंजूरी का महत्व : सेबी से अंतिम टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद शांति गोल्ड इंटरनेशनल अब अपने आईपीओ को लॉन्च करने की स्थिति में है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आईपीओ ज्वेलरी क्षेत्र में निवेश के नए अवसर खोलेगा, खासकर ऐसे समय में जब सोने की कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर हैं।

GJEPC Welcomes Dr. K. Srikar Reddy, Consul General of India San Francisco, to India Pavilion at JCK Las Vegas 2025

The Gem & Jewellery Export Promotion Council (GJEPC) extended a warm welcome to Dr. K. Srikar Reddy, Consul General of India , San Francisco, during his visit to the India Pavilion at JCK Las Vegas 2025, North America's premier jewellery trade show.

Mr. Kirit Bhansali, Chairman, GJEPC, greeted Dr. Reddy at the Pavilion. Also present during the visit were Shri Dnyaneshwar Patil, IAS, Development Commissioner, SEEPZ, Dr. Gaetano Cavalieri, President CIBJO and Mr. Sabyasachi Ray, Executive Director, GJEPC, along with others.

India continues to cement its position as a global powerhouse in the gem and jewellery industry, and its strong presence at JCK Las Vegas 2025 is testament to this leadership. GJEPC is spearheading India's participation through several initiatives including the India Pavilion, the curated India Design Gallery, and the immersive India Experience Lounge. This year, the India Pavilion showcases 30 leading exhibitors who are presenting the finest examples of Indian craftsmanship and innovation. Strategically located across key zones such as Passport, Diamond Plaza, Lab-Grown Diamond, Gemstone, and Currents, the Pavilion highlights India's broad capabilities - from natural diamonds to coloured gemstones contemporary jewellery design and lab grown diamonds

The visit by Dr. Reddy and senior dignitaries reinforces the Government of India's continued support for promoting Indian exports and strengthening the country's position in international markets. Their presence also boosts the morale of participating exporters and reaffirms India's commitment to excellence in the global gem and jewellery trade.

DISCLAIMER: This message including any attachments may contain information that is privileged and/or confidential and is the property of GJEPC. It is intended solely for the person to whom it is addressed. If you are not the intended recipient, you are hereby notified that you are not authorized to read, print, retain copy, disseminate, distribute, or use this message and any attachments or any part thereof.

If you have received this message in error, please notify the sender immediately and delete the message and attachments from your system. WARNING: Computer viruses can be transmitted via email. The recipient should check this email and any attachments for the presence of viruses. The company accepts no liability for any damage caused by any virus transmitted through this email.

Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

पर्पल ज्वेल्स ने मुंबई में तीसरे संस्करण के दौरान नई संग्रह की शानदार शुरुआत की

बेंगलुरु। भारत की उभरती हुई लग्जरी ज्वेलरी कंपनी, पर्पल ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड ने हाल ही में मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित एसएसआई-तीसरे संस्करण में अपने नए संग्रह की भव्य शुरुआत की। यह आयोजन डिजाइन, परंपरा और कला का एक शानदार संगम साबित हुआ, जिसमें पर्पल ज्वेल्स ने अपने उत्कृष्ट शिल्प कौशल और नवाचार को प्रदर्शित किया। इस भव्य लॉन्च समारोह की अध्यक्षता कल्याण ज्वैलर्स के राजेश कल्याणरामन और महाराष्ट्र के विधायक संजय उपाध्याय ने की। इस अवसर पर पर्पल ज्वेल्स के निदेशक राजेश जैन, नितेश जैन, विशाल जैन और संजय जैन के अलावा डॉ. चेतन कुमार मेहता, लक्ष्मी डायमंड उपस्थित थे।

शिल्पकला और परंपरा का अनूठा संगम : नए संग्रह में शाही भव्यता और आधुनिक परिष्कार का एक दुर्लभ मिश्रण देखने को मिला। इस संग्रह में पारंपरिक चोकर से लेकर नाजुक कंगन और जटिल डिजाइनों वाली अंगूठियां शामिल हैं, जो भारत की समृद्ध कला परंपराओं को आधुनिकता के साथ जोड़ती हैं। पर्पल ज्वेल्स के प्रबंध निदेशक नितेश जैन ने इस संग्रह को ऐतिहासिक डिजाइनों का एक मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने कहा, यह संग्रह न केवल डिजाइन में उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह पर्पल ज्वेल्स और कल्याण ज्वेलर्स के साझा मूल्यों को भी दर्शाता है।

लग्जरी और विशिष्टता का प्रतीक : एसएसआई में प्रदर्शित इस संग्रह ने पर्पल ज्वेल्स की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जो विशिष्टता, गुणवत्ता और सांस्कृतिक कथाओं को लग्जरी चांदी के आभूषणों में ढालने की है। यह संग्रह उन लोगों के लिए बनाया गया है, जो अपने आभूषणों में विशिष्टता और परंपरा का मिश्रण चाहते हैं। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि यह संग्रह अब उनके हाई-एंड रिटेल और क्यूरेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म www.purplejewels.in पर उपलब्ध होगा, जिससे पूरे देश और विदेश में ग्राहक इस कला को अपने पास ला सकेंगे।

पर्पल ज्वेल्स-एक उभरता हुआ नाम : पर्पल ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना 2021 में बेंगलुरु में हुई थी और तब से यह कंपनी लग्जरी चांदी के आभूषणों के क्षेत्र में एक बड़ा नाम बन चुकी है।

वर्धमान 925 सिल्वर ज्वेलरी (विएसएल) ने लॉंच किया गौराकी ब्रांड

GAURAKKII
LUXURY DIAMONDS FOR EVERYONE

मुंबई। वर्धमान 925 सिल्वर ज्वेलरी (विएसएल) ने आज मुंबई में जीओ वर्ल्ड सेंटर में सिल्वर शो के दौरान अपना लैबग्रॉन डायमंड के साथ सिल्वर ज्वेलरी का लग्जरी ब्रांड गौराकी लॉंच किया। इस अवसर पर कल्याण ज्वेलर्स के राजेश कल्याणरमन, महाराष्ट्र के विधायक संजय उपाध्याय, लक्ष्मी डायमंड के डॉ. चेतन मेहता, इब्जा के सेक्रेटरी सुरेन्द्र मेहता, गौराकी के सीईओ हेमंत बड़ोला उपस्थित थे। हेमंत बड़ोला ने बताया कि सिल्वर के साथ लैबग्रॉन डायमंड का देश में यह पहला लग्जरी ब्रांड है।

अब सोने पर 85 प्रतिशत तक मिल जाएगा लोन

छोटे उधारकर्ताओं को राहत देते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने सोने को रखकर लिए जाने वाले 5 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए लोन वैल्यू (एलटीवी) अनुपात में वृद्धि की है, जिसमें 2.5 लाख रुपये से कम के ऋणों के लिए एलटीसवी 85 प्रतिशत निर्धारित किया गया है, और 2.5 लाख रुपये और 5 लाख रुपये के बीच के ऋणों के लिए 80 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। हालांकि, 5 लाख रुपये से ऊपर के सभी ऋणों में 75 प्रतिशत की एलटीवी होगी। केंद्रीय बैंक ने सोने और चांदी के कॉलेटरल पर ऋण देने के लिए अपने दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट किया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नियामक जल्द ही स्वर्ण ऋण के लिए निर्णायक मानक जारी करेगा।

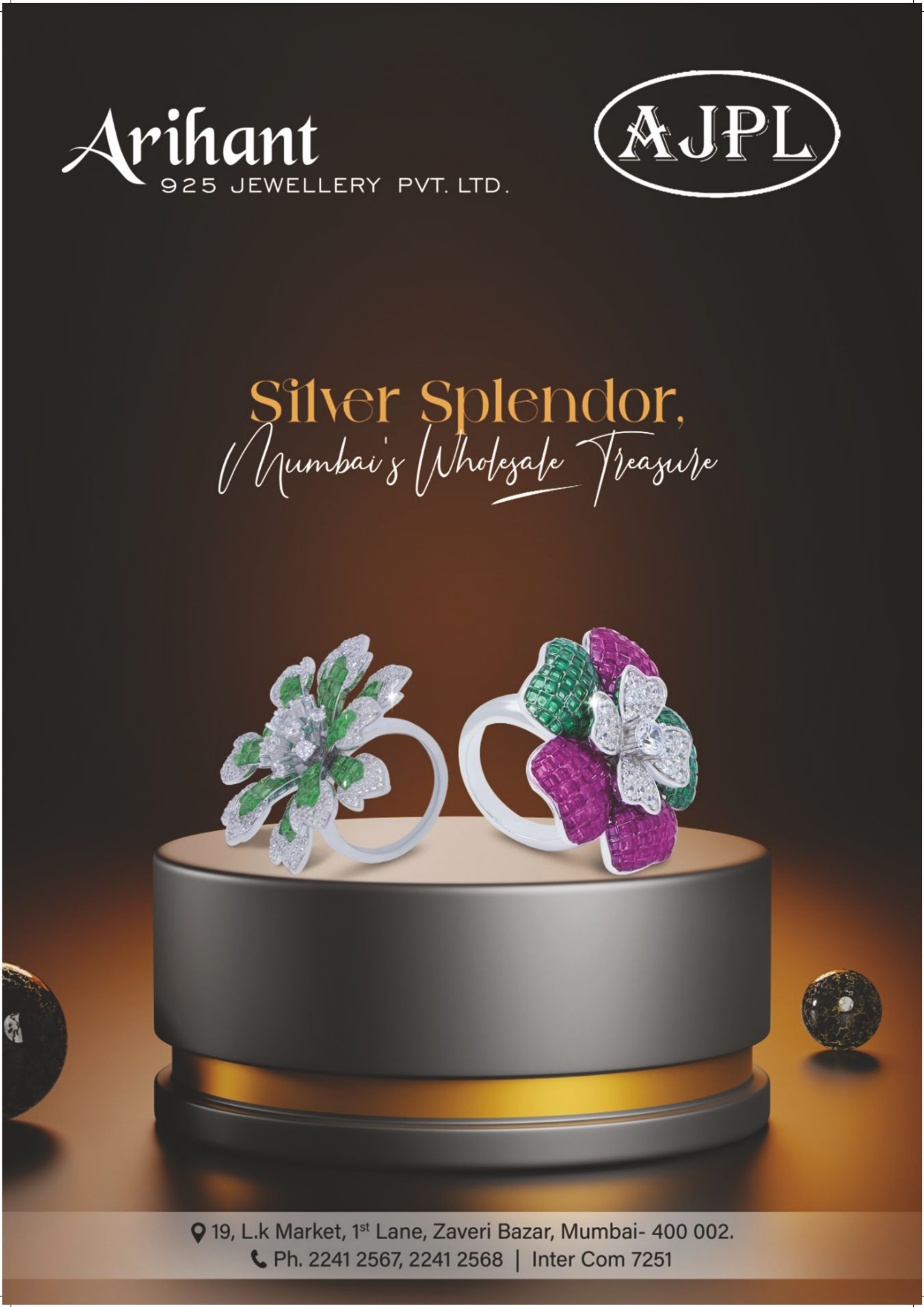
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.
AJPL
Silver Splendor,
Mumbai's Wholesale Treasure
19, L.k Market, 1st Lane, Zaveri Bazar, Mumbai- 400 002.
Ph. 2241 2567, 2241 2568 | Inter Com 7251

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya
JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

दुबई से सस्ता सोना लाने की 'चोर गली' सरकार ने की बंद प्लेटिनम की आड़ में हो रहा था काला धंधा

नई दिल्ली। प्लेटेनिम की आड़ में दुबई से भारत में हो रही सोने की तस्करी को रोकने के लिए सरकार ने सोना और चांदी के आयात को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने बिना गला हुआ, अर्ध-निर्मित और पाउडर रूप में सोने व चांदी के आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अब यह आयात केवल नामित एजेंसियां, योग्य जौहरियों और भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता के तहत वैध टैरिफ रेट कोटा धारकों को ही करने की अनुमति होगी। सरकार ने इस गड़बड़ी को रोकने के लिए 99 प्रतिशत या उससे अधिक शुद्ध प्लेटिनम के लिए अलग एचएस कोड निर्धारित कर दिया है। इससे सोने को प्लेटिनम बताकर लाने का रास्ता बंद हो गया है।

दरअसल, कुछ आयातक दुबई से लगभग शुद्ध सोना मंगाकर उसे 'प्लेटिनम मिश्रधातु' बताकर कम आयात शुल्क का भुगतान कर रहे थे। कम आयात शुल्क की सुविधा भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत उपलब्ध थी। प्लैटिनम मिश्र धातु के रूप में सोने को भारत में लाने के बाद वे दोबारा इस धातु को रिफाइन कर इससे सोना निकाल लेते हैं और बाजार में बेच देते हैं। कुछ प्लैटिनम मिश्रधातु में तो 90 फीसदी तक सोना होता है।

यह कदम वित्त वर्ष 2026 के केंद्रीय बजट में किए गए उस ऐलान के बाद उठाया गया है, जिसमें सोना डोरे, चांदी डोरे और 99 प्रतिशत से अधिक प्लेटिनम वाले उत्पादों के लिए नए एचएस कोड लाने की घोषणा की गई थी। सरकार ने इस गड़बड़ी को रोकने के लिए 99 प्रतिशत या उससे अधिक शुद्ध प्लेटिनम के लिए अलग एचएस कोड निर्धारित कर दिया है। केवल इस श्रेणी को ही अब शुल्क रियायत का लाभ मिलेगा। अन्य किसी भी प्लेटिनम मिश्रण के तहत आयात अब प्रतिबंधित रहेगा। इससे सोने को प्लेटिनम बताकर लाने का रास्ता बंद हो गया है।

सरकार ने दुबई से सोने की तस्करी रोकने के लिए बिना गला हुआ, अर्ध-निर्मित और पाउडर रूप में सोने-चांदी के आयात पर प्रतिबंध लगाया है। अब केवल नामित एजेंसियां और योग्य जौहरी ही यह आयात कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत-यूएई CEPA समझौते के तहत भारत को UAE से हर साल 200 मीट्रिक टन सोना 1 प्रतिशत शुल्क रियायत के साथ आयात करने की अनुमति दी गई है। हालांकि इसके लिए TRQ (Tariff Rate Quota) लाइसेंसधारी होना जरूरी है. यह कदम सरकार की उस नीति को मजबूत करता है जिसके तहत आयात पारदर्शिता और कर चोरी पर नियंत्रण सुनिश्चित किया जा रहा है।

पुरुष यात्री दुबई से भारत में 20 ग्राम तक सोना सिक्कों और बार के रूप में बिना कस्टम शुल्क चुकाए ला सकते हैं। महिला यात्री 40 ग्राम तक सोना आभूषण, सिक्कों या बार के रूप में बिना कस्टम शुल्क चुकाए ला सकती हैं। 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे 40 ग्राम तक सोना आभूषण, उपहार या भेंट के रूप में ला सकते हैं। हालांकि, उनके साथ आने वाले वयस्कों के साथ उनके संबंधों का पहचान प्रमाण होना आवश्यक है। यात्रियों के पास सोने की सही दस्तावेजी प्रमाण होने जरूरी है।

दुबई से आने वाले पुरुष यात्री अगर 20 ग्राम से ऊपर और 50 ग्राम तक सोना अपने साथ लाते हैं तो उन्हें 3 प्रतिशत कस्टम शुल्क देना होगा। 50-100 ग्राम पर 6 प्रतिशत और 100 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत कस्टम शुल्क देना होगा। दुबई से सोना लाने वाले महिला और बच्चे को 40 से अधिक और 100 ग्राम तक सोने पर 3 प्रतिशत कस्टम शुल्क देना होगा। 100-200 ग्राम पर 6 प्रतिशत कस्टम शुल्क और 200 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत कस्टम शुल्क देना होगा।

OPENING & CLOSING RATES

1-31 May 2025

GOLD ₹ SILVER

RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday
3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
02-May-25	93393	93954	93019	93578	85548	86062	94200	94125
03-May-25	SAT							
04-May-25	SUN							
05-May-25	93734	95282	93359	94900	85960	87278	93718	94100
06-May-25	96761	96888	96374	96500	88633	88749	95845	95854
07-May-25	97493	97426	97103	97036	89304	89242	96133	95774
08-May-25	96024	97030	95640	96641	87958	88880	94600	95225
09-May-25	96647	96416	96260	96030	88529	88317	95686	95726
10-May-25	SAT							
11-May-25	SUN							
12-May-25	94393	93076	94015	92703	86464	85258	95917	94095
13-May-25	93942	94344	93566	93966	86051	86419	96350	96820
14-May-25	93776	93859	93401	93483	85899	85975	95949	96400
15-May-25	91484	92365	91118	91995	83799	84606	94103	94572
16-May-25	93658	92301	93283	91931	85791	84548	95588	94606
17-May-25	SAT							
18-May-25	SUN							
19-May-25	93619	93785	93244	93409	85755	85907	95250	95755
20-May-25	93058	93807	92685	93431	85241	85927	94954	95800
21-May-25	95452	95309	95070	94927	87434	87303	97475	97332
22-May-25	95583	95516	95200	95134	87554	87493	98492	96519
23-May-25	95815	95471	95431	95089	87767	87451	97654	96909
24-May-25	SAT							
25-May-25	SUN							
26-May-25	95382	95813	95000	95429	87370	87765	97710	97397
27-May-25	95667	95152	95284	94771	87631	87159	97357	96525
28-May-25	95627	95700	95244	95317	87594	87661	97653	97446
29-May-25	94830	95525	94450	95143	86864	87501	97664	98100
30-May-25	95315	95355	94933	94973	87309	87345	97100	97458
31-May-25	SAT							

भारत में हीरे के आभूषणों की मांग को लेकर डी बियर्स का दावा 2030 तक खपत में होगी इतने प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। हीरा कंपनी डी बियर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एल कुक ने कहा है कि भारत में 2030 तक हीरे के आभूषणों की खपत दोगुनी हो जाने की उम्मीद है। डी बियर्स भारत में ब्रांड फॉरएवरमार्क पेश कर रही है। कुक ने कहा कि भारत पिछले साल चीन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक हीरे के आभूषणों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। हमने पिछले कुछ वर्षों में दहाई अंक में वृद्धि देखी है। हम वास्तव में भारत में प्राकृतिक हीरे की मांग देख रहे हैं, जो सालाना 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक दोगुनी हो जाएगी।

डी बियर्स के समूह सीईओ कुक ने संवाददाताओं से कहा कि वर्तमान में हीरे के आभूषणों की मांग 10 अरब डॉलर से कुछ कम है। इसलिए हमें भारत के भविष्य पर पूरा भरोसा है। डी बियर्स अगले कुछ महीनों में फॉरएवरमार्क के चार स्टोर खोलने की योजना बना

भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए डी बियर्स के सीईओ एल कुक ने कहा कि पांच साल के भीतर, हमारा लक्ष्य पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर खोलना है। उन्होंने कहा कि भारत में 2030 तक हीरे के आभूषणों की खपत दोगुनी होने की उम्मीद है।

रही है, जिनमें से दो दिल्ली में और दो मुंबई में होंगे। भारत में खुलेगा 100 से अधिक स्टोर भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए डी बियर्स के सीईओ एल कुक ने कहा कि पांच साल के भीतर, हमारा लक्ष्य पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर खोलना है। डी बियर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक अमित प्रतिहारी ने कहा कि फॉरएवरमार्क एक सर्वव्यापी दृष्टिकोण वाला होगा।

उन्होंने कहा, डिजिटल दुनिया में, हम स्टोर शुरू करने के साथ-साथ अपना ई-कॉमर्स भी शुरू कर रहे हैं। और भारत मेंभौतिक उपलब्धता महत्वपूर्ण है। इसलिए, इसके लिए, हमारे पास भौतिक स्टोर के लिए विस्तार है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम जिस भी शहर या बाजार में जाएं, हम अगले बाजार में जाने से पहले उसे अधिकतम करें। हमारे पास पांच साल की योजना है। उन्होंने कहा कि पांच साल की योजना में न केवल बड़े शहरों में कंपनी के स्वामित्व वाले स्टोर और फ्रेंचाइजी का संयोजन होगा, बल्कि इसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहर भी शामिल होंगे, जहां बड़ी संख्या में महत्वाकांक्षी ग्राहक होंगे।

PURPLE
JEWELS PVT. LTD.
Hand-touched, heart-forged
every piece is a paused breath in time.
BENGALURU
9844175954
CHENNAI
9841110697
MUMBAI
9920274644
HYDERABAD
9035130300

अब लाइट वेट ज्वेलरी का जमाना

गोल्ड ज्वेलरी के बिजनेस में अब भारी भरकम ज्वेलरी की सेल का जमाना लद गया लगता है, आने वाला वक्त लाइट वेट ज्वेलरी का है, जिसकी शुरूआत दुनिया के विभिन्न देशों में तो काफी पहले हो चुकी थी, लेकिन भारत में अब वक्त आ गया है जब लाइट वेट ज्वेलरी ही चलेगी। गोल्ड के ज्वेलरी की मांग हमेशा से ही सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक कारणों से महत्वपूर्ण रही है। विवाह, सगाई, जन्मदिन और अन्य विशेष अवसरों पर गोल्ड को ज्वेलरी और स्त्री धन के रूप में उपहार में देने की परंपरा भारतीय समाज में गहराई से समाई हुई है। हालांकि, हाल के वर्षों में गोल्ड की कीमतों में तेजी से वृद्धि ने उपभोक्ताओं और ज्वेलर्स दोनों के लिए भारी-भरकम गोल्ड के ज्वेलरी को खरीदना और बेचना चुनौतीपूर्ण बना दिया है। गोल्ड की कीमतें लगभग 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंचने के साथ, लाइट वेट ज्वेलरी का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

हाल के वर्षों में गोल्ड की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। गोल्ड 1 लाख रूपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर, गोल्ड 3350 डॉलर प्रति औंस से आसपास कारोबार कर रहा है, जो भारतीय रुपये में इंपोर्ट लागत को और बढ़ाता है, क्योंकि भारत में गोल्ड इंपोर्ट किया जाता है। इसके अतिरिक्त, जीएसटी, मेकिंग चार्ज पर जीएसटी, और टीडीएस ने गोल्ड की लागत को और बढ़ा दिया है। इस बढ़ती लागत ने उपभोक्ताओं को भारी-भरकम ज्वेलरी से हटकर हल्के वजन वाले ज्वेलरी की ओर प्रेरित किया है। अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसरों पर भी, जब गोल्ड की खरीदारी को शुभ माना जाता है, ग्राहक अब 15-18 ग्राम की हल्की ज्वेलरी को प्राथमिकता दे रहे हैं। देश के सभी प्रमुख शहरों में अक्षय तृतीया 2025 के दौरान सर्राफा बाजारों में लाइट वेट ज्वेलरी की मांग प्रमुख रही।

गोल्ड हुआ महंगा

गोल्ड के महंगा होने की स्थिति में न तो समाज ज्यादा वजनी ज्वेलरी खरीदना वहन कर सकता तथा न ही ज्वेलर्स भारी भरकम ज्वेलरी बेच सकते। अतः इसी में लाभ है कि लाइट वेट ज्वेलरी ही खरीदी व बेची जाए, तो भारतीय ज्वेलरी मार्केट में लाइट वेट ज्वेलरी का चलन तेजी से जगह बना रहा है।

भारत में, विशेष रूप से दक्षिण भारत (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु) और राजस्थान जैसे क्षेत्रों में, जहां परंपरागत रूप से भारी ज्वेलरी का चलन रहा है, वहां भी अब लाइट वेट ज्वेलरी की मांग बढ़ रही है। उपभोक्ता न केवल कीमतों के कारण, बल्कि आधुनिक डिजाइनों और पहनने में आसानी के कारण भी इन ज्वेलरी को पसंद कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, टर्किश और इटैलियन डिजाइनों की लाइट वेट ज्वेलरी, जो देखने में भारी लेकिन वजन में हल्की होती है, नई पीढ़ी की युवतियों में खासी लोकप्रिय है। इसके अलावा, सिल्वर और गोल्ड-सिल्वर फ्यूजन ज्वेलरी का चलन भी बढ़ रहा है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। सिल्वर की कीमतें भी गोल्ड की तरह ही, हाल ही में 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंची हैं, गोल्ड की तुलना में कहीं अधिक किफायती हैं। ज्वेलर्स यह विकल्प उन उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक बता रहे हैं, जो परंपरागत रूप से गोल्ड को प्राथमिकता देते थे, लेकिन अब बजट की सीमाओं के कारण वैकल्पिक धातुओं की ओर रुख कर रहे हैं। आज की आधुनिक महिलाएं ज्वेलरी को अपनी खूबसूरती की एक खास जरूरत मानती हैं, न कि प्रदर्शन की चीज। युवा पीढ़ी की महिलाएं तो ज्वेलरी को अलसैट के रूप में बी कम ही पसंद करती है, क्योंकि वे खरीद कर रलॉकर में रखने में विश्वास नहीं करती। उनका कहना है कि ज्वेलरी है, तो पहनोष लेकिन भारी भरकम ज्वेलरी पहनें तो कहां पहनें। महिलाओं के इस बदले हुए मिजाज को मार्केट भी अच्छी तरह से समझने लगा है, तभी तो कई ऐसे ब्रांड्स हैं जो सिर्फ वर्किंग वुमन, स्यटूडेंट्स या युवा महिलाओं के लिए ही ज्वेलरी डिजाइन करते हैं, तथा निश्चित तौर से वह ज्वेलरी लाइट वेट ही होगी है, क्योंकि वह पहनने में आसान होती है, उसको लेकर रिस्क भी कम होती है और वह हैवी ज्वेलरी की तरह महंगी भी नहीं पड़ती। छोटे व मझोले शहरों के ज्वेलर्स भी मानते हैं तथा अपने ग्राहकों को भी समझा रहे हैं कि यही ज्वेलरी आपको निडर होकर घर से निकलने को प्रेरित करती है क्योंकि भारी भरकम ज्वेलरी के खो जाने इअथवा चोरी हो जाने पर मुकसान भी बड़ा होता है। फिर, लाइट वेट

ज्वेलरी लुक में भी किसी भी अन्य ज्वेलरी से बहुत ज्यादा शूबसूरत होती है, जो पहनने वेला की खूबसूरती में भी चार चांद लगाकर कई गुना बढ़ोतरी कर देती है।

वैश्विक ज्वेलरी उद्योग का 2025 में वार्षिक कारोबार बढ़ना अनुमानित है, जिसमें भारत का योगदान महत्वपूर्ण है। भारत में ज्वेलरी बाजार का आकार 2023 में 85.52 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और 2024 से 2030 तक 5.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ बढ़ने की उम्मीद है। भारत का ज्वेलरी उद्योग सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7.5 प्रतिशत का योगदान देता है और कुल व्यापारी निर्यात में 14 प्रतिशत हिस्सा रखता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड इंपोर्टक देश है और दुनिया के लगभग 90 देशों में गोल्ड ज्वेलरी का निर्यात करता है, जिसमें खाड़ी देश, हांगकांग, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और सिंगापुर शामिल हैं। 2015-2016 में स्वर्ण ज्वेलरी के निर्यात से भारत ने 369 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित की थी, और यह 5-7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्ड की कीमतों में निरंतर वृद्धि के साथ, लाइट वेट ज्वेलरी का व्यापार आने वाले वर्षों में और बढ़ने की संभावना है। इसके पीछे महत्वपूर्ण हैं आर्थिक कारण। गोल्ड की कीमतें वैश्विक बाजार की अस्थिरता, डॉलर की मजबूती, और इंपोर्ट शुल्क जैसे कारकों से प्रभावित होती हैं। भारत में गोल्ड की स्पॉट कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, विशेष रूप से लंदन के एएम और पीएम फिक्स, के आधार पर तय होती हैं। बढ़ती महंगाई और विभिन्न देशों के बीच की राजनीतिक अनिश्चितताएं भी गोल्ड को एक सुरक्षित निवेश के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जिससे इसकी मांग और कीमतें दोनों बढ़ती हैं। नई पीढ़ी के उपभोक्ता, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, फैशन और कार्यक्षमता को प्राथमिकता दे रहे हैं। 18-24 वर्ष की 33 प्रतिशत युवा महिलाएं गोल्ड के ज्वेलरी को फैशन की जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं मानतीं, जिससे लाइट वेट और आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मांग बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी 44 प्रतिशत महिलाएं भविष्य में गोल्ड के ज्वेलरी की संभावित खरीदार हैं, लेकिन वे किफायती विकल्पों में लाइट वेट ज्वेलरी को प्राथमिकता देती हैं, क्योंकि यह कम खर्चीली और स्टाइलिश दिखती है। यह उन उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प है जो गोल्ड की बढ़ती कीमतों को वहन नहीं कर सकते। ज्वेलर्स ने लाइट वेट ज्वेलरी की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए नए प्रयोग किए हैं। उदाहरण के लिए, 22 कैरेट के बजाय 18 कैरेट के ज्वेलरी और क्रिएटिव डिजाइनों का उपयोग बढ़ रहा है। इसके अलावा, मेकिंग चार्ज पर छूट और डायमंड वैल्यू पर भी छूट जैसे ऑफर ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं।

आने वाले वर्षों में, गोल्ड की कीमतों में और वृद्धि की संभावना है, क्योंकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, महंगाई, और निवेशकों की मांग इसे और ऊपर ले जाएगी। इस स्थिति में लाइट वेट ज्वेलरी का व्यापार बढ़ेगा। ज्वेलर्स अधिक स्टाइलिश और किफायती डिजाइनों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जैसे कि टर्किश, इटैलियन, और मॉडर्न मिनिमलिस्ट डिजाइन। यह न केवल शहरी, बल्कि ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी आकर्षित करेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स के माध्यम से लाइट वेट ज्वेलरी की बिक्री बढ़ेगी। उपभोक्ता ऑनलाइन स्टोर्स पर विभिन्न डिजाइनों की तुलना कर सकते हैं और छूट का लाभ उठा सकते हैं। सिल्वर और गोल्ड-सिल्वर फ्यूजन ज्वेलरी का बाजार और विस्तार होगा, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ परंपरागत और आधुनिक दोनों तरह की प्राथमिकताओं को पूरा करता है। भारत पहले से ही स्वर्ण ज्वेलरी का एक प्रमुख निर्यातक है। लाइट वेट ज्वेलरी की बढ़ती वैश्विक मांग, विशेष रूप से खाड़ी देशों और भारतीय डायस्पोरा में, निर्यात को और बढ़ाएगी। लाइट वेट ज्वेलरी के उत्पादन में कुशल कारीगरों की मांग बढ़ेगी। वर्तमान में, ज्वेलरी उद्योग 5 मिलियन लोगों को रोजगार देता है, और 2022 तक यह 8.23 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है।

गोल्ड की बढ़ती कीमतों ने भारतीय ज्वेलरी बाजार को एक नए दौर में ला खड़ा किया है, जहां लाइट वेट ज्वेलरी न केवल एक मजबूरी, बल्कि एक पसंद बन रही है। यह बदलाव न केवल उपभोक्ता व्यवहार और आर्थिक परिस्थितियों से प्रेरित है, बल्कि ज्वेलर्स के नवाचार और वैश्विक रुझानों से भी प्रभावित है। वैश्विक ज्वेलरी उद्योग में भारत की मजबूत स्थिति और लाइट वेट ज्वेलरी की बढ़ती मांग इसे भविष्य में और अधिक लाभकारी बनाएगी। जैसे-जैसे गोल्ड की कीमतें बढ़ेंगी, लाइट वेट और आर्टिफिशियल ज्वेलरी का बोलबाला और बढ़ेगा, जिससे यह उद्योग न केवल उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

विराज थडेश्वर
श्रृंगार हाऊस ऑफ मंगलसूत्र

ज्वेलर्स व्यापक पैमाने पर लाइट वेट ज्वेलरी बनाने लगे हैं। खरीददार भी उत्सुक हैं। अमेरिका, यूरोप, इंग्लैंड में पहले से ही लाइट वेट का चलन है। युवा पीढ़ी में कुछ साल पहले से ही इसका चलन बढ़ा, लेकिन गोल्ड महंगा होने से ज्यादातर लोग लाइट वेट ज्वेलरी पसंद करने लगे हैं।

गोल्ड की बढ़ती कीमतों के कारण लाइट वेट ज्वेलरी की बिक्री में वृद्धि हो रही है। लाइट वेट ज्वेलरी के वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य नए रूप में स्थापित हो रहे हैं और भविष्य में इसके व्यापार की संभावनाओं का तेज विस्तार होना तय है।

यश खांटेड
राज ज्वेलर्स

भारत में गोल्ड के ज्वेलरी की मांग सदा सदा से हमारी परंपराओं का हिस्सा है। हालांकि, हाल के वर्षों में गोल्ड की कीमतों में तेज वृद्धि ने उपभोक्ताओं को लाइट वेट ज्वेलरी की ओर आकर्षित किया है। यह लेख इस बदलते रुझान, इसके कारणों, और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालता है।

श्रेयांस कोठारी
बी डी बैंगल्स

लाइट वेट ज्वेलरी का चलन न केवल आर्थिक मजबूरी और गोल्ड के महंगा होने से, बल्कि फैशन और पहनने की सुविधा तथा कम रिस्क की वजह से भी प्रेरित है। ज्वेलरी उद्योग के लिए लाइट वेट ज्वेलरी एक नया अवसर है, जो आने वाले वक्त में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा।

यश मेहता
एम मेहता एण्ड सन्स

यह सही है कि लाइट वेट ज्वेलरी की सेल में बढ़ोतरी अचानक देखने को मिल रही है। क्योंकि गोल्ड महंगा का होना लगभग हर वर्ग को लाइट वेट और सिल्वर की तरफ धकेल रहा है। हेवी ज्वेलरी का चलन बडे पैमाने पर रहा है, लेकिन उसके ग्राहक भी लाइट वेट ज्वेलरी की डिमांड कर रहे है।

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

SANGAM
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)

SANGAM CHAINS N JEWELS

Wholesale Showroom: DD Jewels Market, 4th floor,

1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp khau Galli, Mumbai 400003.

+91 22 2345 2827 / 2745 / 2777 / 2346 4747

Shashwat
Ornaments
Purity. Finnese. Luxury

SHASHWAT ORNAMENETS

Manufacturing Unit: G4, Melstar House, 2nd floor,

MIDC Cross Road-A, Near Marol Bus Depot,

Andheri (East), Mumbai -400 093.

Branches: THRISSUR • KERALA

DL LAKHANI

Dewang Lakhani
9819384241

Beyond Celebrations...

With Best Compliments From

- **LAKHANI CATERERS**
- **LAKHANI TRADERS**
- **LAKHANI CATERING**
- **LAKHANI HOSPITALITY**
- **NITYA INC**

LD Lakhani Decorator

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) • **TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) • **NSCI** (WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA

Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On **D LAKHANI HOSPITALITY** http://dlakhanihospitality.com/

SSI सिल्वर शो 2025, मुंबई

मुंबई। पिछले दिनों जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई में एसएसआई सिल्वर शो भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस शो में लगभग 850 स्टॉल थे और लगभग 2 लाख से अधिक डिज़ाइनों, आर्टिफैक्ट्स, गिफ्टिंग आइटम्स और सिल्वर ज्वेलरी की विशाल रेंज प्रदर्शित की गई। यह शो 1.5 लाख वर्गफूट में आयोजित था। शो की खासियतों पर बात करते हुए आयोजक श्रीकांत उर्स ने कहा, इस बार एक नई बात यह है कि चांदी के साथ लैब ग्रोन डायमंड का भी कॉम्बिनेशन देखने को मिला। कुछ ब्रांड्स इस इनोवेशन के साथ आए और हमें लगता है कि यह नया ट्रेंड बनेगा, खासकर गोल्ड की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव को देखते हुए।

Silver Empopium

Anand Darshan Silver

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

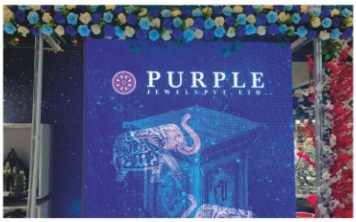

Purple Jewels Pvt. Ltd.

Shubham Silver

Gaurakkii (Vardhaman 925 Silver VSL)

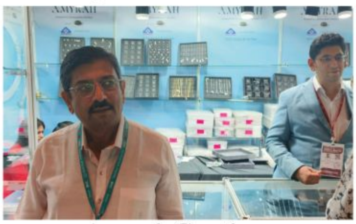
Amyrah Creations

Silvara Idols Mysuru

LM Life Style

Ornament Creations

Vinayak Exports

Ricchezza

SNT Silver Jewellery

Jiami Silber LLP

HP Silver

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight

TOYOTA

AMYRAH
CREATIONS

Premium 92.5 Sterling Silver Jewellery

At Amyrah Creations, we are dedicated manufacturers of premium 92.5 sterling silver jewelry, blending the elegance of Italian style with the craftsmanship of Indian artisans. Our collection is designed with the latest international trends in mind, bringing a unique fusion of modern sophistication and timeless artistry to retailers pan - india.

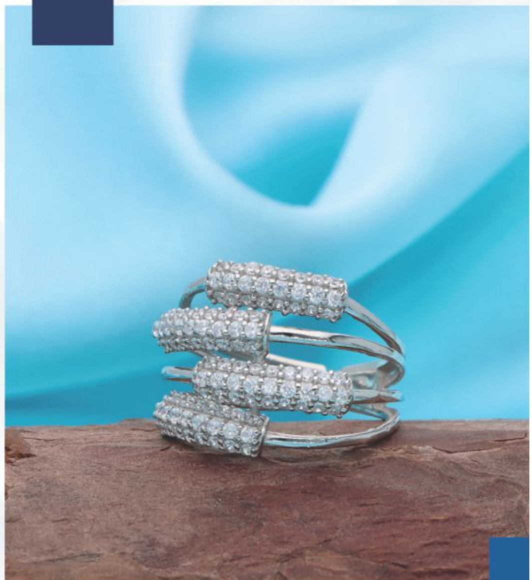

BRAND BY

M. U. JEWELLERS PVT. LTD.®

Amyrah Creations is a distinguished brand by M.U. Jewellers, specializing in premium 92.5 sterling silver jewelry. Known for its International-inspired designs and crafted in India, Amyrah Creations brings a unique blend of elegance and quality to retailers seeking sophisticated, high-quality silver jewelry. Each piece reflects M.U. Jewellers' legacy of craftsmanship and commitment to delivering exceptional jewelry that stands the test of time.

Daily updates :

For further Details :

Office : +91 959 1395949

Dikshit Jain : +91 98212 9827

झवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन ने भारत के सबसे भव्य आभूषण महोत्सव का अनावरण किया

मुंबई। झवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन ने भारत के सबसे भव्य आभूषण महोत्सव का अनावरण किया। यह अनावरण हितेश जैन (अध्यक्ष, (ZBWA), राजेश कल्याणरमन (कार्यकारी निदेशक कल्याण ज्वेलर्स) पृथ्वीराज कोठारी (अध्यक्ष, आईबीजेए), गोविंद वर्मा (सीएमडी, ज्वेल ट्रेंड्ज), संजय शाह (ज्वेल मेकर्स वेलफेयर एसोसिएशन) के हाथों संयुक्त रूप से झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल 2025 का भव्य अनावरण किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन और अधिकारिक ब्रोशर के विमोचन के साथ चिन्हित किया गया।

मुंबई का ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित झवेरी बाजार, जो भारत के रत्न और आभूषण व्यापार का केंद्र रहा है, अब झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल2025 के शुभारंभ के साथ एक नई चमक बिखेरने को तैयार है। यह एक अनूठा ''2'' (बिजरेस टू बिजनेस) महोत्सव होगा, जो व्यापारिक उत्कृष्टता को भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है।

यह महोत्सव झवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन आईबीजेए द्वारा ज्वेल ट्रेंड्ज प्राइवेट लिमिटेड (आयोजक) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल 2025 का आयोजन 22 सितंबर से 26 अक्टूबर 2025 तक होगा, जिसमें मुख्य बायर-सेलर शोकेस 6 अक्टूबर से 16 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव अभूतपूर्व पैमाने, जोश और भव्यता के साथ आभूषण व्यापार की परिभाषा को ही बदल देगा।

ZBF 2025 की प्रमुख विशेषताएं :

झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल 2025 देश का सबसे प्रतिष्ठित ज्वेलरी कार्यक्रम बनने जा रहा है, जो पूरे आभूषण उद्योग को एक दूरदर्शी मंच पर एकत्र करेगा।

- 7,000+ होस्टेड ज्वेलरी रिटेलर्स, भारत के कोने कोने से
- 10+ देशों से अंतरर्राष्ट्रीय खरीदार
- 9,000+ निर्माता, थोक व्यापारी और व्यापारी झवेरी बाजार से
- विरासत प्रदर्शनी, सांस्कृतिक परेड, फैशन वॉक, लाइट इंस्टॉलेशन और बहुत कुछ। प्रतिभगी प्रीमियम व्यावसायिक बैठकों, झवेरी बाजार की दुकानों और कार्यालयों में विशेष आभूषण प्रदर्शनियों और दिवाली के उत्सवी माहौल में भारत के सबसे प्रतिष्ठित आभूषण केंद्र में क्यूरेटेड नेटवर्किंग इवेंट्स का अनुभव करेंगे।

एकजूट उद्योग, एक साझा दृष्टिकोण :

इतिहास में पहली बार, झवेरी बाजार एकजुट हुआ है, और उसे प्रमुख उद्योग संगठनों को पूर्ण समर्थन प्राप्त हैं। आईबीजेए, जीजेसी, एमडब्ल्यूजीजेए, जेएमडब्ल्यूए, दागिना बाजार, जेवायएफ और संपूर्ण भारतीय आभूषण समुदाय

इस पहल पर बोलते हुए :

हितेश जैन, अध्यक्ष, झवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन ने कहा - झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल 2025 सिर्फ एक उत्सव नहीं हैं, यह हमारी विरासत, हमारी कारीगरी और हमारे सामूहिक गौरव को समर्पित एक मानवंदना है। हम भारतीय आभूषण उद्योग के लिए एक नया अध्याय लिख रहे हैं। झवेरी बाजार मजबूत और एकजुट होकर पहले से कहीं अधिक चमकेगा।

राजेश कल्याणरमन, कार्यकारी निदेशक, कल्याण ज्वेलर्स ने कहा - झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल 2025 की मदद से मै अपने योगदान देना चाहता हूं और झवेरी बाजार के मेहनती कारीगरों की मदद कर, उनके जीवन को ऊपर उठाने में सहयोग करना चाहता हूं।

पृथ्वीराज कोठारी, अध्यक्ष आईबीजेए ने कहा - हमारी संस्था आईबीजेए पूरी तरह से झवेरी बाजार जेम्स एंड ज्वेलरी फेस्टिवल 2025 के समर्थन में हैं और इस उत्सव को सफल बनाने में हरसंभव मदद करेंगे।

संजय शाह, अध्यक्ष, ज्वेल मेकर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने कहा - ग्राहकों को इस उत्सव में सब कुछ एक ही छत के नीचे मिलेगा। सोना, चांदी, प्राचीन आभूषण, मोती, हीरे और रत्न। यह झवेरी बाजार को फिर से आभूषण व्यापार का प्रमुख केंद्र बनाएगा। 20 देशों से खरीदार इस उत्सव में आएंगे जिससे भारतीय कारीगरों को वैश्विक पहचान मिलेगी और भारत का निर्यात और अर्थव्यवस्था दोनों मजबूत होंगे।

शिखर पर चांदी, किमत रू. 1.05 लाख के पार, टूटा 12 साल का रिकॉर्ड

सोने की कीमतों में जोरदार तेजी के बाद अब चांदी की बारी है। वायदा बाजार में चांदी की कीमतें बढ़कर रू.1,04,947 प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 12 साल के हाई पर पहुंच गई है। कॉमेक्स पर चांदी 34.90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है, जो अगस्त 2012 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है।

केडिया कमोडिटीज के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि 2025 में चांदी एक शानदार परफॉर्मर के रूप में उभरी है। हाल ही में इसने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर रू.1,04,947 प्रति किलोग्राम का अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 12 साल के उच्चतम स्तर 34.90 प्रति औंस के करीब पहुंच गई। उन्होंने कहा, इस जोरदार तेजी के पीछे कई वजहें हैं। अमेरिका के आर्थिक आंकड़े कमजोर हैं। दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है। डॉलर की वैल्यू में गिरावट आई है। साथ ही, इलेक्ट्रिक वाहन और सोलर एनर्जी जैसे सेक्टर्स से चांदी की औद्योगिक मांग भी तेजी से बढ़ रही है। केडिया ने बताया कि बाजार में बदलाव का एक अहम संकेत गोल्ड-सिल्वर रेश्यो में आई तेज गिरावट है, जो 107 से घटकर 95 हो गया है। इसका मतलब है कि अब निवेशक सोने के मुकाबले चांदी को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं, क्योंकि उन्हें इसमें बेहतर वैल्यू और ग्रोथ की संभावनाएं नजर आ रही हैं। इतिहास गवाह है कि जब यह रेश्यो घटता है, तो चांदी आमतौर पर बेहतर प्रदर्शन करती है। यही वजह है कि बाजार में चांदी को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। हालांकि, आगे का रास्ता पूरी तरह आसान नहीं होगा। वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर जारी अनिश्चितता, अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों में उतार-चढ़ाव और बदलती महंगाई की स्थिति के कारण बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। केडिया का अनुमान हैं कि चांदी इस साल रू.1,30,000 प्रति किलोग्राम तक पहुंचने की मजबूत स्थिति में जरूर है, लेकिन व्यापक आर्थिक बदलावों के बीच दामों में करेक्शन भी आ सकता है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। कुल मिलाकर, चांदी अभी भी दोहरी भूमिका निभा रही है–एक तरफ यह मौद्रिक हेज (सुरक्षा) के रूप में काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक वृद्धि की कहानी भी बयान कर रही है। आने वाले महीनों में इसकी दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इन दोनों भूमिकाओं को कितना संतुलित रख पाती है। मिरे असेट शेयरखान में एसोसिएट वीपी, फंडामेंटल करेंसीज व कमोडिटीज प्रवीण सिंह कहते हैं, फिलहाल निवेशकों में रिस्क लेने की भावना मजबूत है और सिल्वर ईटीएफ में होल्डिंग्स बढ़ रही हैं, ऐसे में चांदी का प्रदर्शन अच्छा रहने की संभावना है–जब तक कि अमेरिकी डॉलर में तेज उछाल न आए या बाजार में अत्यधिक जोखिम से बचने का माहौल न बन जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में सलाह दी जाती है कि हर गिरावट पर खरीदारी की जाए, क्योंकि चांदी के 35 डॉलर (रू. 1,02,500) के अहम रेजिस्टेंस लेवल को परखने की उम्मीद है। अगर यह स्तर टूटता है, तो कीमत तेजी से 37 डॉलर (रू.1,08,000) तक पहुंच सकती है। निकट भविष्य में 33.50-33.70 डॉलर (रू.98,200 - रू.98,800) का दायरा एक अहम सपोर्ट जोन की तरह काम करेगा।

लक्ष्मी डायमंड्स ने मुंबई में शुरू किया अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग और R&D सेंटर

मुंबई। भारत के डायमंड और ज्वेलरी उद्योग में एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए, प्रसिद्ध ज्वेलरी ब्रांड लक्ष्मी डायमंड्स ने मुंबई के अंधेरी पूर्व में अपने नए मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) सेंटर का भव्य उद्घाटन किया। इस समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन और रिबन कटिंग के साथ नए सेंटर की शुरुआत की गई।

इस भव्य आयोजन में ज्वेलरी सेक्टर के कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें किरीट भंसाली, चेयरमैन - GJEPC, राजेश कल्याणरमन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कल्याण ज्वेलर्स लिमिटेड, पृथ्वीराज कोठारी, नेशनल प्रेसिडेंट - IBJA, प्रमोद अग्रवाल, चेयरमैन - NGJC, राजेश रोकड़े, चेयरमैन - GJC, महेंद्र तायल, साउथ चेयरमैन - GJEPC, डॉ. चेतन कुमार मेहता, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, लक्ष्मी डायमंड्स, बेंगलुरु शामिल थे। इस मौके पर डॉ. चेतन कुमार मेहता ने कहा, यह सेंटर हमारी कंपनी के लिए गर्व का प्रतीक है। यह वह जगह है जहां परंपरा, नवाचार, शिल्प कौशल और अत्याधुनिक तकनीक का संगम होगा। हमारा लक्ष्य भारत में ज्वेलरी क्राफ्टमैनशिप को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

उद्घाटन समारोह में विशेष मेहमानों को लक्ष्मी डायमंड्स की नवीनतम इनोवेशन, उच्च-स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और R&D पहलों का अनुभव कराया गया। यह आयोजन उद्योग के लोगों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और उत्सव का एक शानदार मंच साबित हुआ।

इस अवसर पर लक्ष्मी डायमंड्स ने इस सेंटर के माध्यम से वैश्विक ज्वेलरी क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

चीन ने लगातार सातवें महीने लगाया सोने का अंबार, लेकिन अमेरिका से अभी है कोसों दूर

नई दिल्ली। चीन के सेंट्रल बैंक ने मई में भी अपने सोने के भंडार में बढ़ोतरी की। यह लगातार सातवां महीना है जब चीन ने सोने के भंडार को बढ़ाया है। पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (PBOC) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सोने को अक्सर आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता से बचने का सुरक्षित ठिकाना माना जाता है। मई में सोने की कीमतें स्थिर रहीं। अप्रैल में सोने की कीमत 3,500 डॉलर प्रति औंस के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। मई के अंत में चीन के पास 73.83 मिलियन फाइन ट्रॉय औंस सोना था। अप्रैल के अंत में यह आंकड़ा 73.77 मिलियन औंस था। इसका

मतलब है कि चीन ने थोड़ा सोना और खरीदा है। PBOC के अनुसार पिछले महीने के अंत में चीन के सोने के भंडार का मूल्य 241.99 बिलियन था। अप्रैल के अंत में यह 243.59 बिलियन था। यानी चीन का सोने का भंडार तो बढ़ गया लेकिन उसकी वैल्यू कम हो गई। इस साल अब तक सोने की कीमतों में 27त की वृद्धि हो चुकी है। पिछले साल भी सोना 27त चढ़ा था। इसकी वजह टैरिफ युद्ध का डर है। जानकारों का कहना है कि PBOC ऊंची कीमतों के बावजूद सोना खरीद रहा है। इससे पता चलता है कि चीन अपनी विदेशी मुद्रा के भंडार को अलग-अलग तरह से रखना चाहता है। हालांकि PBOC के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया है कि वे सोना क्यों खरीद रहे हैं। 2024 में बैंक ने 18 महीने तक सोना खरीदने के बाद छह महीने का ब्रेक लिया था। फिर नवंबर में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने के बाद चीन ने फिर से सोना खरीदना शुरू किया था। दुनिया भर के सेंट्रल बैंक इस साल 1,000 मीट्रिक टन सोना खरीदने की तैयारी में है। वे अपने भंडार को अलग-अलग तरह से रखना चाहते हैं और डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं।

carron
ready made garments
Men's wear | Women's wear | Kids wear
Kalbadevi | Kemps Corner | Kalyan (Mumbai)
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

Manufacturers and Wholesalers of
exquisite Gold Chains & ornaments.

Royal. Timeless. Versatile.

#HameshaKeLiyeRoyal

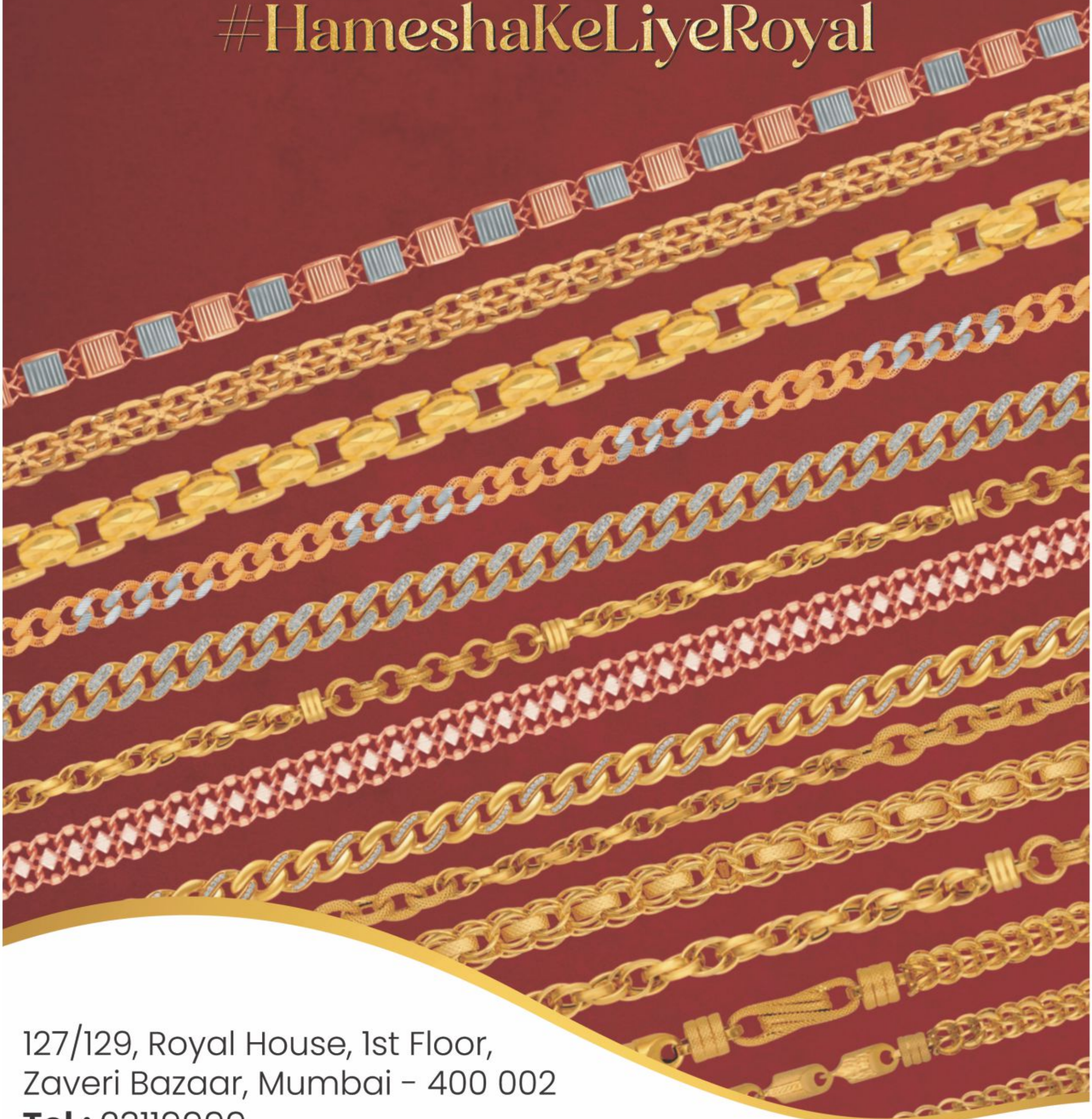

127/129, Royal House, 1st Floor,
Zaveri Bazaar, Mumbai - 400 002
Tel.: 23119999
Mob.: +91 97690 20737
E-mail: orders@royalchains.com
Website: www.royalchains.com

ROYAL CHAIN®
PRIVATE LIMITED

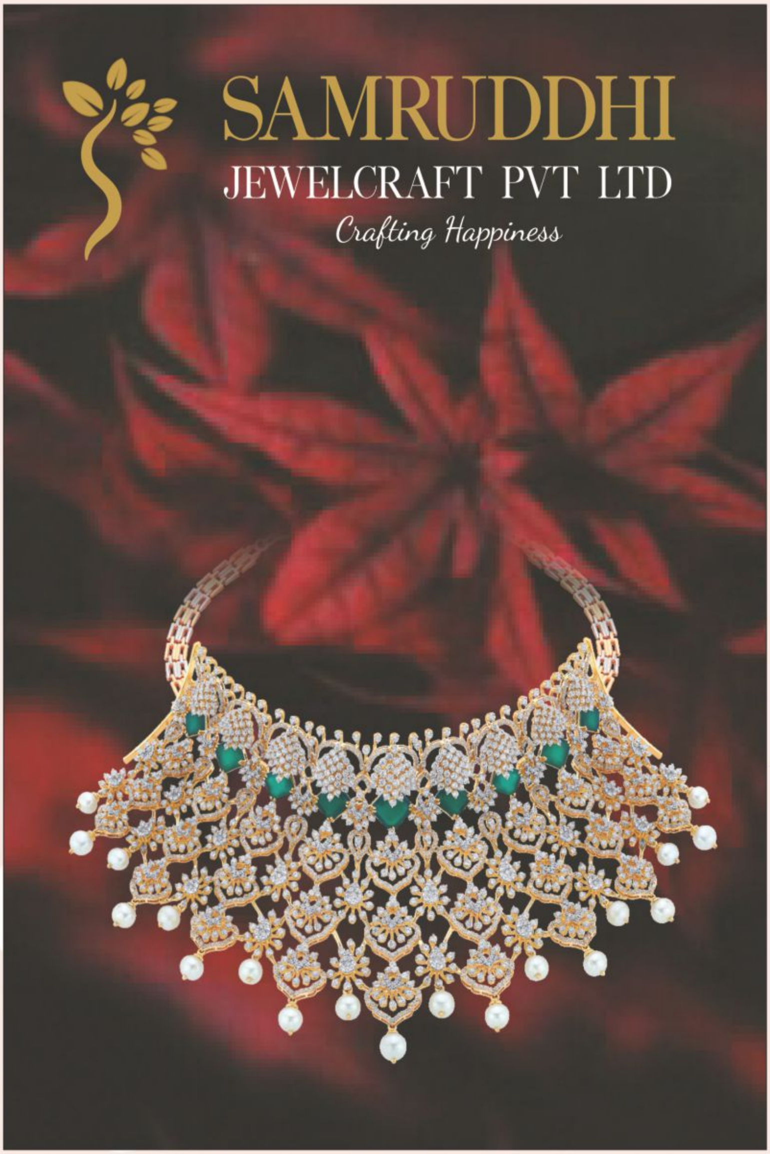

Dinesh Jain
+91 93206 70627

Nikhil Jain
+91 98196 03187

samruddhijewelcraft@gmail.com

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by Choksi Vimal® Bullion LLP Since 1949

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

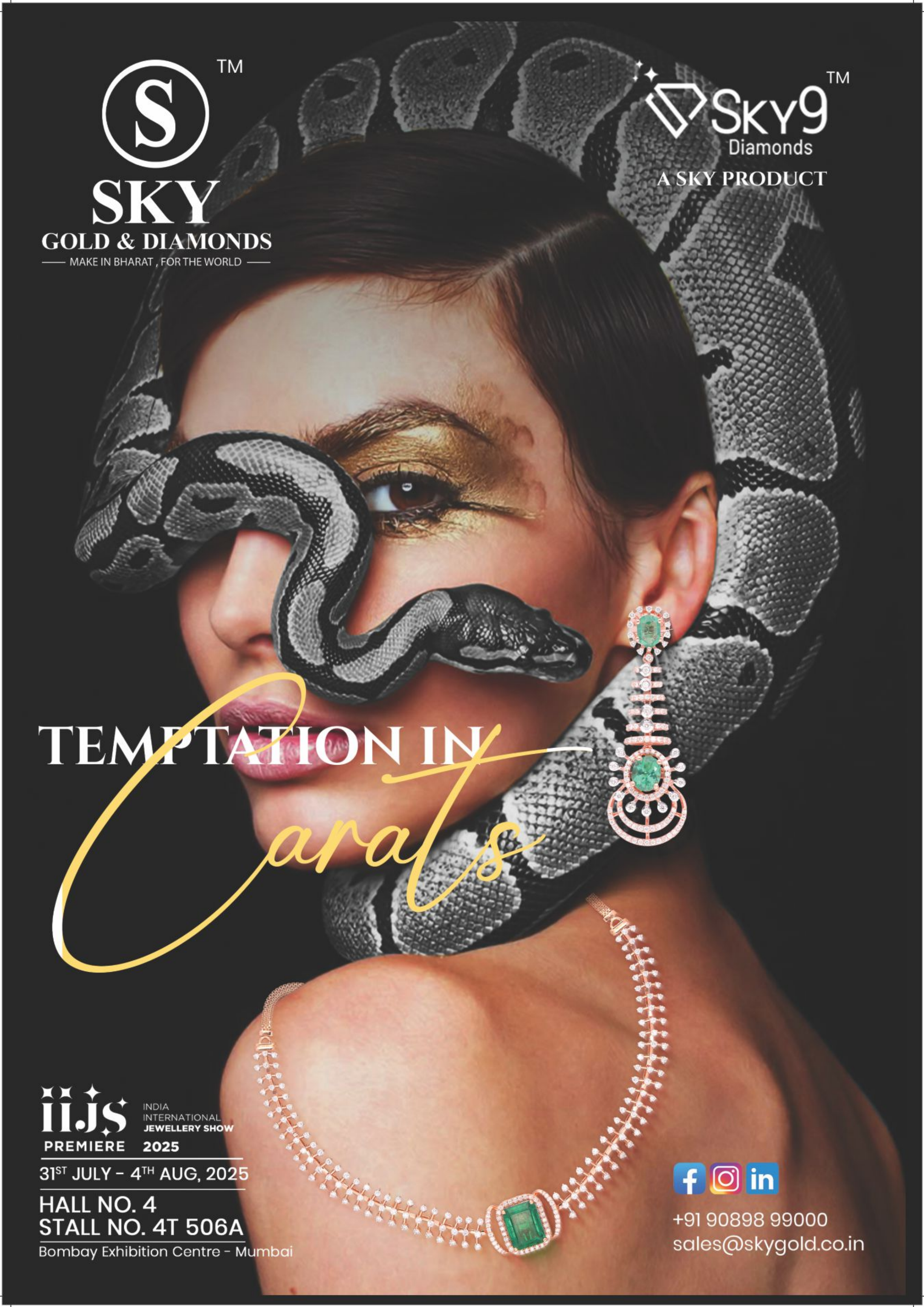
S
TM
SKY
GOLD & DIAMONDS
MAKE IN BHARAT , FOR THE WORLD
SKY9
TM
Diamonds
A SKY PRODUCT
TEMPTATION IN
Carats
iiJS
PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025
31ST JULY - 4TH AUG, 2025
HALL NO. 4
STALL NO. 4T 506A
Bombay Exhibition Centre - Mumbai
+91 90898 99000
sales@skygold.co.in